RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 9 सोमवार 2 से 8 जून, 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : ₹3/=

वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में "हिन्दी पत्रकारिता दिवस" पर 8

'अगर BSF आती तो हिंदुओं की रक्षा होती'

मुर्शिदाबाद हिंसा में हिंदुओं पर हुए अत्याचार पर फूटा अमित शाह का गुस्सा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर हैं। रविवार को उन्होंने कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं और पदाधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ममता सरकार और तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में चुनावी हिंसा बंद हो गई है, मगर बंगाल में चुनाव के समय और दीदी को विजय मिलने के बाद, सैकड़ों भाजपा के कार्यकताओं को मौत के घाट उतार दिया जाता है। आपका समय अब समाप्त हो गया है, 2026 में बंगाल में भाजपा की सरकार बनने वाली है।

अमित शाह ने कहा कि बंगाल की इस धरती पर चुनाव के दौरान और दीदी के चुनाव जीतने के बाद, भाजपा के अनेक कार्यकताओं की हत्या की गई। पूरे देश में चुनाव के दौरान हिंसा भले ही खत्म हो गई हो, लेकिन बंगाल में हिंसा जारी है। दीदी, हिंसा करने वालों को आप कब तक बचाती रहेंगी? आपका समय पूरा हो गया है और 2026 में पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

केंद्रय गृह मंत्री अमित शाह ने मुर्शिदाबाद हिंसा का जिक्र किया। मुर्शिदाबाद में हाल ही में हिंसा हुई। हमारा गृह मंत्रालय बार-बार कहता रहा कि इरत्रक्को बुला लीजिए, लेकिन इन्होंने नहीं बुलाया। क्योंकि अगर BSF आती, तो हिंदुओं की रक्षा होती। फिर भाजपा कार्यकर्ता हाई कोर्ट गए, तब जाकर BSF आई और हिंदुओं को बचाया।

ममता बनर्जी ने ऑपरेशन सिंदूर का किया अपमानः अमित शाह

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर टीएमसी नेताओं द्वारा की गई टिप्पणी का भी जिक्र किया। अमित शाह ने कहा, वोट बैंक के लिए ममता दीदी ने पतन की सीमा पार कर दी है। कुछ दिन पहले, पाक-प्रेरित आतंकियों ने हमारे निर्दोष नागरिकों को धर्म पूछकर उनके परिजनों के सामने मार दिया। इन आतंकियों को सजा देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया गया। पाक के अंदर घुसकर आतंकियों के हेडक्वार्टर्स को तबाह कर दिया गया। आतंकियों की मौत पर दीदी को दर्द होता है। ममता बनर्जी ने घटिया सा राजनीतिक बयान देकर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया।

आपने (ममता बनर्जी) ऑपरेशन सिंदूर का विरोध नहीं किया है, आपने इस देश की करोड़ों माताओं-बहनों के साथ खिलवाड़ किया है। मैं बंगाल की माताओं-बहनों से अपील करने आया हूं कि आने वाले चुनाव में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध करने वालों को सिंदूर की कीमत समझा देना।

अवैध घुसपैठियों के मुद्दे को लेकर भी अमित शाह ने ममता सरकार पर निशाना साधा। बंगाल का चुनाव सिर्फ बंगाल के भविष्य को ही नहीं तय करता है, बल्कि यह देश की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। क्योंकि ममता बनर्जी ने बंगाल की सीमाओं को बांग्लादेशियों के लिए खुला छोड़ दिया है। उनके आशीर्वाद से बंगाल में घुसपैठ हो रही है। ये घुसपैठ सिर्फ भाजपा की सरकार रोक सकती है।

अमित शाह ने शिक्षक घोटाले को लेकर भी ममता सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कलकत्ता के बाजार में युवाओं की नौकरियां बिकती हैं। इनके घरों से (TMC) का इतना पैसा पकड़ा जाता है कि गिनते-गिनते मशीनें थक जाती हैं।

प्रदेश में चुनाव व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी, आम जनता चुनेगी जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लॉक प्रमुख

लखनऊ। प्रदेश सरकार सांसद और विधायक की ही तरह यूपी में जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख का चुनाव भी सीधे जनता से कराने पर मंथन कर रही है। सूत्रों की माने तो प्रदेश सरकार जल्द ही इस बारे में केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेज सकती है। माना जा रहा है कि अगर केंद्र ने राज्य सरकार के इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दिया तो आगामी पंचायत चुनाव में ही इस नई चुनाव प्रक्रिया को लागू कर दिया जायेगा।

प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने भी इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने शुक्रवार को ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करके चर्चा की है। उन्होंने मुख्यमंत्री के सामने प्रस्ताव रखा कि वह अधिकारियों को निर्देशित करें कि जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख का चुनाव सीधे जनता से कराने के संबंध में प्रस्ताव तैयार करें। प्रस्ताव तैयार कर इसे जल्द से जल्द केंद्र सरकार को भेजा जाए जिससे समय रहते इसकी तैयारी की जा सके।

राजभर का कहना है कि मुख्यमंत्री ने उनके इस प्रस्ताव से सहमति जताई है और जल्द ही प्रस्ताव केंद्र को भेजने का आश्वासन भी दिया है। उन्होंने कहा कि वह पिछले चुनाव में ही यह चाहते थे।

अधिकारियों से इसके लिए प्रस्ताव तैयार कराने के लिए कहेंगे। इस मुलाकात के दौरान ओम प्रकाश राजभर के पुत्र सुभासपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव अरविंद राजभर भी साथ थे। राजभर ने बताया कि पिछले महीने उन्होंने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर भी इस मुद्दे पर चर्चा किया था, तो शाह ने भी जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख का चुनाव सीधे जनता से कराने पर हामी भरी थी। उन्होंने राज्य सरकार से प्रस्ताव भिजवाने को कहा था। राजभर ने कहा कि इसी कड़ी में होने मुख्यमंत्री से मिलकर अनुरोध किया है।

उत्तर प्रदेश के 19 जिलों की 375 सड़कें होंगी चकाचक, योगी सरकार ने खोला 212 करोड़ का खजाना

लखनऊ। शासन ने प्रदेश के विभिन्न जिलों की सड़कों के निर्माण के लिए 212.02 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृति की है। इस राशि से बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, आगरा, बाराबंकी, शाहजहांपुर, महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, अलीगढ़, हाथरस, सहारनपुर, मीरजापुर, प्रतापगढ़, देवरिया, बदायूं, भदोही व सोनभद्र की 375 सड़कों का कायाकल्प किया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना इस बार समय रहते तैयार कर ली है। पिछले वित्तीय वर्ष में लोक निर्माण विभाग कार्ययोजना देरी से तैयार कर सका था। अप्रैल या मई में तैयार होने वाली कार्ययोजना को सितंबर माह में तैयार किया जा सका था। विभागीय मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग को दोबारा कार्ययोजना तैयार करनी पड़ी थी।

उन्होंने निर्देश दिए थे कि जनप्रतिनिधियों के सिफारिश पर संबंधित जिलाधिकारी से प्रस्ताव मंगवा कर सड़कों का निर्माण कराया जाए। इससे जनप्रतिनिधियों को भी अपने-अपने क्षेत्रों के विकास कार्यों में सहभागिता का मौका मिलेगा। साथ ही जिलाधिकारी की दखल से प्रस्ताव की जांच भी कराई जा सकेगा।

मुख्यमंत्री की कोशिश है कि सड़कों के निर्माण में पूरी पारदर्शिता बरती जाए और सभी क्षेत्रों में विकास कार्यों को पूरी तवज्जो दी जाए। इस बार लोक निर्माण विभाग ने अपनी कार्ययोजना समय से शासन को भेज दी है।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्ण ने उत्तर प्रदेश के डीजीपी का कार्यभार संभाला

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। कृष्ण वर्तमान में सतर्कता और उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के महानिदेशक (डीजी) के रूप में सेवा दे रहे थे। आईआईटी रुड़की के पूर्व छात्र कृष्ण, आईपीएस में शामिल होने वाले सबसे कम उम्र के अधिकारियों में से एक हैं। भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी राजीव कृष्ण ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का कार्यभार संभाला। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। वह भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1991 बैच के अधिकारी हैं और प्रशांत कुमार की जगह लेंगे, जो 31 मई को सेवानिवृत्त हो गए हैं। राज्य के गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, अपने पूर्ववर्ती की तरह कृष्ण भी राज्य के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक होंगे। कृष्ण वर्तमान में सतर्कता और उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के महानिदेशक (डीजी) के रूप में सेवा दे रहे थे। आईआईटी रुड़की के पूर्व छात्र कृष्ण, आईपीएस में शामिल होने वाले सबसे कम उम्र के अधिकारियों में से एक हैं।

उन्होंने लखनऊ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), लखनऊ रेंज के उप महानिरीक्षक (डीआईजी), नोएडा के एसएसपी, लखनऊ जोन के महानिरीक्षक (आईजी) और आगरा जोन के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) सहित कई पदों पर सेवा दी है। वह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के आईजी (ऑपरेशन) के रूप में भी सेवा दे चुके हैं।

भारत ने आतंक के खिलाफ नयी लक्ष्मण रेखा खींची, उम्मीद है कि शत्रु को सबक मिला होगा: सीडीएस

नई दिल्ली। सीडीएस ने कहा, 'हम रक्षा खरीद प्रक्रियाओं को सरल बना रहे हैं ताकि हम भविष्य की प्रणालियों के बजाय भविष्य की तकनीक के साथ मौजूदा समय का युद्ध लड़ सकें।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये आतंकवाद के खिलाफ एक 'नयी लक्ष्मण रेखाह्व खींची है और उम्मीद है कि इस सैन्य कार्रवाई से हमारे शत्रु को कुछ सबक मिला होगा।

यहां 'शांगरी-ला डायलॉग' से जुड़े कार्यक्रम के दौरान, हालिया ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाकिस्तान संबंधों में 'रणनीतिक स्थिरता' से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देते हुए सीडीएस ने कहा कि ताली दोनों हाथों से बजती है, 'उम्मीद है कि वे इसे समझेंगे।' पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद, सात मई की सुबह ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के नौ ठिकानों पर हमले किए गए थे। वहीं, पाकिस्तान ने भी जवाबी हमले किए थे। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष ने परमाणु हथियारों से लैस दोनों पड़ोसी देशों को एक व्यापक संघर्ष के कगार पर ला खड़ा किया था। हालांकि, संघर्ष विराम के लिए सहमति बनने के बाद 10 मई को हमले रोक दिए गए थे। दोनों देशों के बीच टकराव से मिली सीख के बारे में पूछे जाने पर जनरल चौहान ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन के दौरान दूसरे देशों की स्वदेशी प्रणालियों और प्लेटफार्मों का भी इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, हम 300 किलोमीटर तक की हवाई सुरक्षा को सटीकता के साथ भेदने में सक्षम थे।' जनरल चौहान और विभिन्न देशों के कई अन्य रक्षा प्रमुखों या प्रतिनिधियों ने एशिया के एक प्रमुख शिखर सम्मेलन शांगरी-ला डायलॉग के एक भाग के रूप में आयोजित भविष्य की चुनौतियों के लिए रक्षा नवाचार संसाधान विषय पर सेमिनार के दौरान संबोधन दिया। बाद में उन्होंने सेमिनार के दौरान कई सवालों के जवाब दिए, जिनमें ऑपरेशन सिंदूर और इसके निहितार्थ से जुड़े सवाल भी शामिल थे।

जनरल चौहान ने कहा, भारत ने जो किया है, राजनीतिक रूप से उसने आतंकवाद के खिलाफ नयी लक्ष्मण रेखा खींच दी है और मुझे उम्मीद है कि इस विशेष ऑपरेशन से हमारे शत्रु को भी कुछ सबक मिलेगा और उन्हें समझ में आ गया होगा कि यह भारत की सहनशीलता की सीमा है।

सीडीएस ने कहा, 'हम रक्षा खरीद प्रक्रियाओं को सरल बना रहे हैं ताकि हम भविष्य की प्रणालियों के बजाय भविष्य की तकनीक के साथ मौजूदा समय का युद्ध लड़ सकें।

भारत में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 3000 के पार

नई दिल्ली। भारत में सक्रिय COVID-19 मामलों की संख्या 3,000 को पार कर गई है, जिसमें केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली नवीनतम लहर में सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, देश में वर्तमान में 3,395 सक्रिय मामले हैं, जिनमें से केरल में सबसे अधिक 1,336 मामले हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 467 और अन्य राज्यों में भी मामले बढ़ रहे हैं।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) ने कहा है कि भारत में कोविड के मामलों में उछाल का कारण ओमीक्रॉन के उप-वेरिएंट हैं, जो 2022 में भारत में कोविड की बड़ी लहर के पीछे एक स्ट्रेन था। ICMR प्रमुख डॉ. राजीव बहल ने कहा कि ये वेरिएंट LF.7, XFG, JN.1 और NB.1.8.1 हैं, जिनमें से पहले तीन अधिक प्रचलित हैं। डॉ. बहल ने यह भी पुष्टि की कि कोविड-19 के मामलों में वृद्धि दक्षिण से शुरू होकर पश्चिम और अब उत्तर भारत तक पहुंच गई है। इन सभी मामलों की निगरानी एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के माध्यम से की जा रही है। डॉ. बहल ने कहा कि वर्तमान में संक्रमण की गंभीरता आम तौर पर हल्की है और चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि जब भी मामले बढ़ते हैं, तो तीन कारकों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण हैः पहला वायरस की संक्रामकता, दूसरा, मामले कितनी तेजी से बढ़ रहे हैं और तीसरा गंभीर मामलों का प्रतिशत। डॉ. बहल ने कहा कि वर्तमान में मामले तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं और नए वेरिएंट पिछली प्रतिरक्षा को चकमा देने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकांश मामलों में गंभीरता कम है और सहवर्ती बीमारी वाले लोगों में ही गंभीरता देखी जा रही है। डॉ. बहल ने सतर्क रहने और तैयार रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।

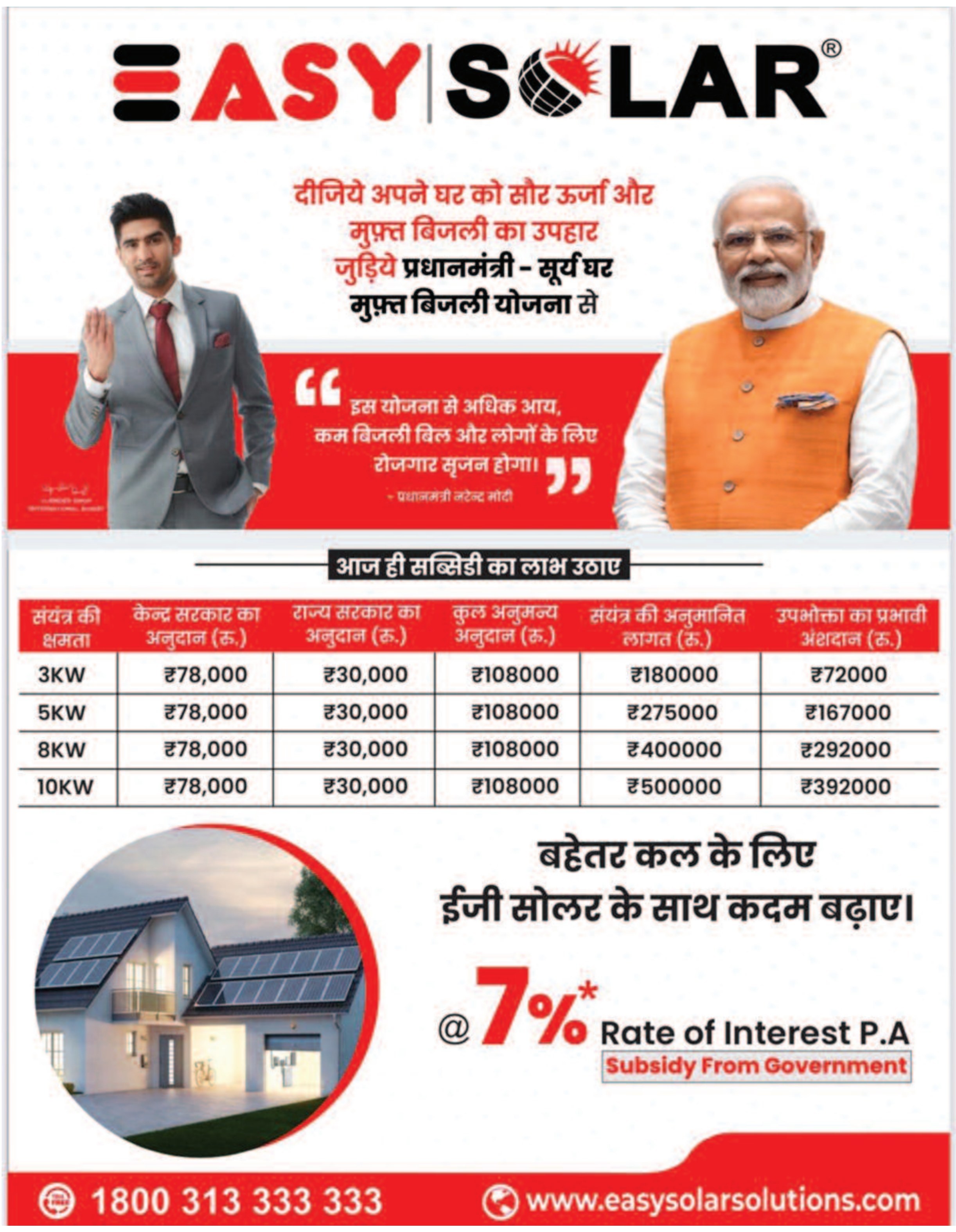

संयंत्र की क्षमता	केन्द्र सरकार का अनुदान (रु.)	राज्य सरकार का अनुदान (रु.)	कुल अनुमन्य अनुदान (रु.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (रु.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (रु.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

मेरठ मंडल आयुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में 'गाजियाबाद सिटी ट्रान्सपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड, गाजियाबाद' के निदेशक मण्डल की 8वीं बोर्ड बैठक आहूत

'जनपदवासियों की सुविधा के लिए बस संचालन हेतु रोड मैप सुनिश्चित किया जाएं'

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। रानी दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में माननीय आयुक्त मेरठ मंडल श्री हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में 'गाजियाबाद सिटी ट्रान्सपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड, गाजियाबाद' के निदेशक मण्डल की 8वीं बोर्ड बैठक आहूत हुई।

बैठक के दौरान अध्यक्ष की अनुमति से बैठक का एजेण्डा प्रस्तुत किया गया। एजेण्डा से पूर्व गा0सि0ट्रा0स0लि0 गाजियाबाद के निदशक मण्डल की छठी बैठक में लिये गये निर्णयों पर की गई कार्यवाही की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया गया। क्रमवार प्रत्येक एजेण्डे पर निदेशक मण्डल के विस्तृत विचार-विमर्श के पश्चात् बोर्ड द्वारा निर्णय लिये गये। जिसमें हृषिकेश भास्कर यशोद

मण्डलायुक्त मेरठ –अध्यक्ष, दीपक मीणा जिलाधिकारी गाजियाबाद –निदेशक, अतुल वत्स उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण गाजियाबाद –निदेशक, विक्रमादित्य सिंह मलिक नगर आयुक्त नगर निगम गाजियाबाद –निदेशक, सच्चिदानन्द अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) कमिश्नरेट गाजियाबाद –प्रतिनिधी निदेशक, जयदीप वर्मा संयुक्त निदेशक नगरीय परिवहन निदेशालय लखनऊ –प्रतिनिधी निदेशक, प्रमोद कुमार सम्भागीय परिवहन अधिकारी गाजियाबाद –निदेशक व केशरी नन्दन चौधरी क्षेत्रीय प्रबन्धक उ0प्र0 परिवहन निगम गाजियाबाद –प्रबन्ध निदेशक हैं।

बैठक के दौरान 'गाजियाबाद सिटी ट्रान्सपोर्ट सर्विसेज लमिटेड, गाजियाबाद' (एस0पी0वी0) के निदेशक मण्डल की दिनांक 03.09.2024 को हुई सातवीं बैठक में लिये गये निर्णयों पर की कार्यवाही की समीक्षा की गयी। इस दौरान 'गाजियाबाद सिटी ट्रान्सपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड, गाजियाबाद' जी0एस0टी0, टी0डी0एस0 रिटर्न एवं अन्य लेखा कार्यो पर परिवेक्षकीय नियंत्रण हेतु सी0ए0 के आबद्धीकरण की समीक्षा की गयी। साथ ही वित्तीय वर्ष 2023-2024 के वार्षिक लेखों की आख्या प्रस्तुत की गयी।

इस दौरान यातायात व्यवस्था, जनपदवासियों की सुविधा एवं राजस्व में बढ़ोतरी की दिशा में सिटी में बस/ईवी बस सर्विसेज को सूचारू रूप से चलाने, उनके रूट निंधारित करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की।

माननीय आयुक्त मेरठ मंडल हृषिकेश भास्कर यशोद ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपदवासियों की सुविधानुरूप नियमानुसार बस संचालन हेतु रोड़ मैप सुनिश्चित किया जाएं। जो बसें सवारियों/यात्रियों के लिए कई–कई किलोमीटर खाली चलती हैं उनके लिए ऐसी रोड़ मैप बनाया जाएं कि उन्हें सवारियों के लिए ज्यादा मश्शक्त ना पड़े। अक्सर देखा जाता है कि कई रूटों पर बस सर्विस नहीं है, जिससे स्थानीय लोग/ड्यूटी करने वालों सहित अन्य यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, ऐसी परेशानियों से बचने हेतु आवश्यक है कि बस सेवाओं हेतु एक सुव्यस्थित रोड़ मैप तैयार किया जाएं। ईवी बसों की अधिक सेवा प्राप्त करने हेतु आवश्यकतानुसार चार्जिंग पाईन्ट बनाये जाये। अतः सभी अधिकारीगण समन्वय बनाते हुए जन, जनपद एवं प्रदेशहित में बसों के बेहतरीन संचालन हेतु कार्य करें।

हिण्डन नदी के किनारे किया जाएं वृहद स्तर पर पौधारोपण: हृषिकेश भास्कर यशोद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। रानी दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में माननीय आयुक्त मेरठ मंडल श्री हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में हिंडन नदी को निर्मल और स्वच्छ बनाने हेतु बैठक आहूत की गई।

बैठक के दौरान मंडल आयुक्त महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि हिंडन नदी में गिरने वाले सभी नालों को टैप्ड करना सुनिश्चित किया जाए। इसी क्रम में मंडल आयुक्त महोदय द्वारा सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि हिंडन नदी के किनारे जहां भी जगह उपलब्ध हो वहां पर वृहद पौधारोपण किया जाए। सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा गया कि प्रत्येक कम से कम एक नाले पर फाइटोरेमेडियेशन का काम करना शुरू करें। साथ ही निर्देशित किया गया कि नालियों में

बहने वाला अपशिष्ट सीधे हिंडन में न जाने पाए, इसके लिए उन नालियों को तालाबों से जोड़ा जाए। मंडल आयुक्त महोदय द्वारा गांवों में बन रहे वाटर स्टेबलाइजेशन पॉण्ड, सिल्ट कैचर तथा फिल्टर चैंबर की समीक्षा की गई। महोदय द्वारा क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देशित किया गया की अननोटिफाइड इंडस्ट्रीज के इंडस्ट्रियल एफ्लूएंट के लिए चार्ट बनाएं जिसमें पोल्यूटिंग इंडिकेटर और उनका समय अंतराल भी हो। साथ ही उद्योग विभाग के साथ मिलकर इन इंडस्ट्रीज को ट्रेस करें तथा उनमें ईटीपी लगवा कर वाटर को ट्वीट किया जाना सुनिश्चित करें। नगर आयुक्त महोदय द्वारा सिंचाई विभाग को जो अननोटिफाईड नाले हिंडन में गिर रहे हैं उनको प्रीवेंट करने के लिए कहा गया। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि जो 6 एमएलडी का सीईटीपी जावली नाले के वाटर को शोधित करता है उसे 16 एमएलडी का बनाया जाना प्रस्तावित है। आयुक्त मेरठ मण्डल हृषिकेश भास्कर यशोद द्वारा निर्देशित किया गया कि हिण्डन नदी में गिरने वाले सभी नालों को आवश्यकता अनुरूप क्रमवार तरीके से टैप किया जाना सुनिश्चित किया जाएं, इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए जल्द कराया जाए। हिण्डन नदी के किनारे जिस भी विभाग की जमीन हो एवं वह खाली हो वहां पौधारोपण किया जाएं। जनपद में चल रही फैक्ट्रियों से निकलने वाले वेस्ट कैमिकल, जिससे हिण्डन नदी प्रदूषित हो रही है, के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाएं।

बैठक में मुख्य रूप से जिलाधिकारी दीपक मीणा, जीडीए वीसी अतुल वत्स, नगरआयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, सीडीओ श्री अभिनव गोपाल, आईएएस श्री अयान जैन (ट्रेनी) सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी/प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

पेट्रोल पंपों पर चला 'नो हेलमेट-नो फ्यूल' का अभियान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर आठ मई से बिना हेल्मेट के विरूध चलाए जा रहे 100 दिवसीय अभियान के तहत शुक्रवार को कई पेट्रोल पंप पर संयुक्त रूप से नो हेल्मेट-नो फ्यूल को लेकर अभियान चलाया गया। आए दिन होने वाले सड़क हादसों में कमी लाने व हेल्मेट की महत्ता पर बताने के लिए पुलिस के साथ ही संभागीय परिवहन विभाग व जिला आपूर्ति विभाग ने संयुक्त रूप से यह अभियान चलाया है। इस दौरान 339 वाहनों के खिलाफ चालान व सीज करने की कार्रवाई भी की गई।

एडीसीपी यातायात सच्चिदानंद ने बताया कि 100 दिवसीय अभियान के अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु में कमी लाए जाने के लिए दो पहिया वाहन पर चालक व पीछे बैठी सवारी के द्वारा हेलमेट का प्रयोग अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से कमिश्नरेट के विभिन्न पेट्रोल पम्पों पर अपर पुलिस उपायुक्त, यातायात के नेतृत्व में नो हेलमेट-नो फ्यूल का विशेष अभियान चलाया गया। उक्त अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा दो पहिया वाहन चालकों को सड़क दुर्घटना में हेलमेट की महत्वता के संबंध में जागरूक किया गया।

अभियान के अंतर्गत हेलमेट न पहनने वाले कई वाहन चालकों को मौके पर जागरूक किया गया एवं बिना हेलमेट के कुल 339 दो पहिया वाहन चालकों के विरुद्ध चालान व सीज करने की कार्यवाही की गयी। पेट्रोल पंप स्वामी एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि पेट्रोल पम्प पर नो-हेलमेट-नो फ्यूल के बैनर लगवाएं एवं बिना हेलमेट किसी भी दो पहिया वाहन चालक को पेट्रोल न दिया जाए। यह अभियान न केवल नियम पालन को सुनिश्चित करने के लिए है, बल्कि लोगों को यह संदेश देने के लिए भी है, कि हेलमेट आपकी सुरक्षा है, विकल्प नहीं। सयुक्त टीम का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उक्त अभियान में सम्भागीय परिवहन अधिकारी गाजियाबाद, जिला पूर्ति अधिकारी गाजियाबाद, सहायक पुलिस आयुक्त-यातायात, यातायात निरीक्षक (मुख्यालय), यातायात निरीक्षक द्वितीय जोन आदि उपस्थित रहे।

अब बॉयोमेट्रिक मशीन से लगेगी पुलिसकर्मियों की हाजिरी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो आने वाले दिनों में पुलिस विभाग के जितने भी कार्यालय व शाखाऐं हैं वहां तैनात पुलिस कर्मियों की हाजिरी अब बायोमेट्रिक मशीन के जरिए लगनी शुरू होगी। इसको लेकर शुरूआत में पुलिस लाईन व पुलिस ऑफिस में पायलट प्रोजेक्ट के तहत मशीनें लगाई गई हैं। दोनों स्थानों पर मशीनों की कार्यप्रणाली देखने के बाद अन्य सभी कार्यालयों में इस मशीन को लगाया जाएगा। इसको लेकर पुलिस आयुक्त कार्यालय में एक बैठक भी हुई। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि पुलिस विभाग के कार्यालयों में तैनात पुलिसकर्मी अब अपने कामों में लापरवाही नहीं बरत सकेंगे। इतना ही नहीं अब वह लेट-लतीफी वाली स्थिति में भी नहीं रह पाएंगे। कारण है

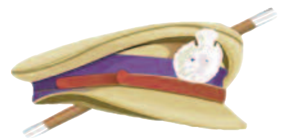

कि वहां तैनात पुलिस कर्मियों की हाजिरी अब बायो मेट्रिक मशीन के जरिए लगनी शुरू हो जाएगी। इसको लेकर पूरी कार्य योजना तैयार कर ली गई है। डीसीपी सिटी ने बताया कि इसी क्रम में पायलट प्रोजेक्ट के तहत फिलहाल दो मशीनें पुलिस लाईन व पुलिस कार्यालय में लगाई गई हैं। उपरोक्त दोनों स्थानों पर मशीनें यदि सही प्रकार के कार्य करती है तो अन्य कार्यालयों व शाखाओं में भी इन्हें लगवाया जाएगा। अभी तक अमूमन कार्यालयों व शाखाओं में तैनात पुलिसकर्मियों के आने व जाने का समय निश्चित नहीं था। कार्यालयों व शाखाओं की डयूटी अधिकांशतः जनरल ही रहती है। सुबह से शाम तक डयूटी करने वाले पुलिसकर्मियों के लिए बायोमेट्रिक मशीन एक नया ही अनुभव होगी। इस मशीन के लगने से जहां कर्मठ पुलिसकर्मियों के चेहरों पर मुस्कान आ जाएगी तो वहीं डयूटी के प्रति लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों की मुशीबत आना तय है। अक्सर दूर दराज या फिर गैर जनपदों से आकर डयूटी करने वाले पुलिसकर्मी अपने संसाधन का समय होते ही कार्यालय से निकल जाते थे, लेकिन इस मशीन के लगने से अब ऐसा कर पाना संभव नहीं हो पाएगा।

प्रधानमंत्री स्व निधि योजना मे ऋण प्राप्त करने वालों को मिले वरीयता: नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा साप्ताहिक पैठ बाजरो को व्यवस्थित करने हेतु अधिकारियों से बैठक की गई जिसमें समस्त जोनल प्रभारी व टीम को जोन वार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए, साथ ही टाउन वेंडिंग हेतु चल रहे कार्यों की रिपोर्ट भी मांगी गई, बैठक में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, डूडा विभाग से भानुप्रिया वह सभी जोनल प्रभारी उपस्थित रहे।

शहर के मार्गों पर आवागमन सरल बना रहे तथा साप्ताहिक पथ विक्रेताओं को सहूलियत मिले इसके क्रम में नगर आयुक्त द्वारा सभी जोनल प्रभारी व टीम को आपसी समन्वय बनाए रखते हुए साप्ताहिक पैठ बाजारों के संगठनों से विक्रेताओं की सूची लेते हुए सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं रजिस्ट्रेशन की कार्यवाही को भी प्रारंभ करने के लिए कहा गया है जिसमें ऑनलाइन प्रक्रिया को समस्त जोनल टीम को समझाया गया, ऐसे पथ विक्रेता जिनके द्वारा प्रधानमंत्री स्व निधि योजना में ऋण प्राप्त किया गया है उनको वरीयता मिले निर्देश दिए गए हैं डुडा विभाग भी अपने स्तर से स्ट्रीट वेंडर्स का सत्यापन करें निर्देश दिए गए हैं अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव को जून के प्रथम सप्ताह में टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक बुलाने के लिए कहा गया है जिसमें वेल्डिंग जोन में अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं पर चर्चा होगी। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा लगातार शहर की मार्गों पर आवागमन सरल बनाने की कार्यवाही को कराया जा रहा है इसी क्रम में गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय पर नगर आयुक्त द्वारा टीम के साथ बैठक की गई बैठक में सप्ताहिक पैट बाजारों के संगठनों से विक्रेताओं की सूची के आधार पर सर्वे करने का कार्य प्रारंभ करते हुए सत्यापन किया जाए निर्णय लिया गया है नगर निगम पथ विक्रेताओं की सहूलियत तथा शहर के अवैध अतिक्रमण पर विशेष कार्यवाही के लिए योजना बना रहा है जिसमें निर्णय टाउन वेंडिंग कमेटी के माध्यम से होगा' टीम को सर्वे करने के लिए फॉर्मेट भी तैयार कराया गया है जिसमें आधार कार्ड व पथ विक्रेता रजिस्ट्रेशन भी अनिवार्य रूप से होना जरूरी है बताया गया है।

श्री अम्बे माताजी मंदिर मदुराई के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन कई धार्मिक आयोजन

महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज शामिल हुए

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मदुराई। श्री मदुराई राजस्थानी सेवा समाज ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्री अम्बे माताजी मंदिर के तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में दूसरे दिन अनेक धार्मिक आयोजन हुए। महोत्सव में सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर महादेव मंदिर गाजियाबाद के पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता व दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। महोत्सव में दूसरे दिन दूसरे दिन देव पूजन, अग्नि स्थापन, हवन, मूर्ति विभिन्न अधिवास, स्नपन, देवनगर भ्रमण, शयाधिवास, रात्रि में भजन संध्या का आयोजन हुआ जिसमें भजन गायकों ने भजनों से सभी को भाव-विभोर कर दिया। महाराजश्री ने कहा

कि जगतजननी अम्बे माता की महिमा अपरम्पार है। उनकी पूजा-अर्चना करने से भक्तों के सभी कष्ट दूर होते हैं और मां की कृपा से जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि व खुशहाली बनी रहती है। मां बहुत ही दयालु हैं और अपने बच्चों भक्तों की रक्षा के लिए सदैव तैयार रहती हैं और उन पर कोई कष्ट नहीं आने देती हैं। महाराजश्री ने संतों व आचार्यो के साथ मुलाकात कर धर्म चर्चा की। हजारों भक्तों को उन्होंने अपना आशीर्वाद भी प्रदान किया। सभी धार्मिक आयोजन स्वामी गणेश की देखरेख में श्री श्री 1008 मंगलाई नाथ महाराज मठ सुराणा के पावन सानिध्य में हो रहे हैं। संत राजराम संत कृपा राम महंत बाबू गिरि महाराज, महंत प्रेम भारती महाराज, महंत वल्लभ गोविंद दास महाराज, महंत शिव गिरि महाराज, महंत भीम गिरि महाराज, महंत जगदीश दास महाराज, महंत काशीनाथ महाराज आदि संत भी मौजूद रहे। श्री मदुराई राजस्थानी सेवा समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहनलाल चौधरी, उपाध्यक्ष हुकुम सिंह दहिया व जामत राज सुंदेशा, महामंत्री पुनभाराम प्रजापत, सचिव रमेश कुमार रावल व मादाराम चौधरी, कोषाध्यक्ष बाबूलाल कुमावत, श्री मदुराई राजस्थानी सेवा समाज सभा के अध्यक्ष जुहार सिंह चौहान, उपाध्यक्ष तेजारात सुथार, जीणाराम प्रजापत, महासचिव छैल सिंह दहिया, सह सचिव ओमप्रकाश चौधरी, अमराराम देवासी, कोषाध्यक्ष गुमानाराम चौधरी, सह कोषाध्यक्ष वगतावर सिंह देवडा, हंजाराम माली, प्रचार मंत्री रमेश कुमार घांची, बाबू सिंह परिहार, पूर्व अध्यक्ष गोविंद राम रावल, धन सिंह दहिया, गोक सिंह परमार, गंगा सिंह सिंधल, नवरत्न सोनी आदि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में विशेष सहयोग दे रहे हैं।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 शहीद स्मारक समिति पदाधिकारियों ने स्वतंत्रता सेनानियों को किया नमन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 शहीद स्मारक समिति द्वारा आयोजित हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 30 मई 2025 को शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन के पास श्रद्धांजलि भावांजलि पुष्पांजलि की गई । समिति के अध्यक्ष पंडित रामआसरे शर्मा ने बताया कि हिंडन नदी का ऐतिहासिक युद्ध, जब क्रांतिकारियों ने अंग्रेजो का घमंड चकनाचूर किया। 31 मई का दिन भारतीय इतिहास में सदा याद किया जाता रहेगा । क्योंकि 30 व 31 मई 1857 को ब्रिटिशकालीन भारत में दुनिया की सबसे प्रशिक्षित अंग्रेजी फौज व भारत के क्रान्तिकारियो की उत्साही सेना का मुकाबला गाजियाबाद में बहती हिंडन नदी के तट पर हुआ था। संस्था के मीडिया प्रभारी एवं विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि प्रथम

स्वतंत्रता संग्राम भारतीय इतिहास का एक ऐसा दिव्य तथा भव्य अध्याय है। जिसमें धर्म, वर्ग, जातियों की सभी दीवारें ध्वस्त हो जाती हैं और जनसमूह के रूप में भारत की आत्मा मुखर होती है। अंग्रेजी तथा वामपंथी इतिहासकार भले ही इस महासमर को गदर या विद्रोह की संज्ञा दें, परंतु यह भारतीय आत्मा की आवाज थी। इस आवाज का स्पंदन सनातन राष्ट्र की पावन माटी के कण-कण में सुरभि- स्वरूप अनुभूत किया जा सकता है। जंग-ए-आजादी में जनचेतना और मनचेतना का कार्य हर स्तर पर हुआ। उस वक्त की व्रतधारी पत्रकारिता ने भी आजादी के पहले समर में क्रांति का बीजारोपण किया। जन-जन तक, मन-मन तक आजादी के समर को पहुँचाया और फिरंगी हुकूमत के खिलाफ उठ खड़े होने का शंखनाद किया । ऐसा शंखनाद, जिसने अनंत नभ में आजादी की क्रांति को हवा दी। राष्ट्र और राष्ट्रगायकों को हमारी ओर से सादर शब्दांजलि है, भावांजलि इस अवसर पर संस्था के महामंत्री पी न गर्ग, वरिष्ठ समाजसेवी संदीप त्यागी रसम, छोटेलाल कन्नोजिया, सतपाल सिंह तेवतिया पूर्व डायरेक्टर गन्ना समिति, हरेंद्र पप्पू पूर्व सभासद, संतोष दिक्षित, शरीफ मियां, भिखारी लाल,डॉ शीला रानी, डॉक्टर संजय सिंह, डॉक्टर दिलीप कुमार, डॉ एसके मिश्रा, एम एल बड़वार, ए खालिद, डा मिलन मंडल, डॉ वसीम, डॉ एस के सिकदर, ब्रजन विश्वास, अभिजीत दत्ता, किंकर राय, आलोक चंद शर्मा, डा डी के सिंह, डा ऐके जैन,डा देवाशीष ओझा, रंजीत पौद्दार, डा डी के वासु, गौरव, डॉ देवेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

रानी अहिल्याबाई होलकर से प्रेरणा लेकर देश हर क्षेत्र में कर रहा है तरक्की: गजेंद्र सिंह शेखावत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर से प्रेरणा लेकर देश हर क्षेत्र में तरक्की कर आगे बढ़ रहा है। वह शुक्रवार को नगर निगम द्वारा आयोजित पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर शहर के लोगों को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय मंत्री ने नेहरूनगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में उपस्थित लोगों से कहा कि वह औद्योगिक नगरी गाजियाबाद में आकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत करते हुए कहा कि हम 300 साल बाद भी महाराणा प्रताप और होल्कर जयंती पर महापुरुषों के बलिदान को याद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक सामान्य परिवार में जन्मी बच्ची जिसने विपरीत परिस्थिति में जीवन का निर्वाह किया। उन्होंने अपनी सारी संपत्ति और आभूषण भारत की संस्कृति, नारी शक्ति एवं महिलाओं के उत्थान पर लगा दी। उन्होंने कहा होल्कर ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुंचाने का काम किया। उनसे प्रेरणा लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ काम कर रहे हैं। यही कारण है कि देश तरक्की कर आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने लोगों से भी होल्कर के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। वहीं उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास को तोड़ा मरोड़ा गया। इतिहास को दूषित किया गया।यही वजह है कि हमारी संस्कृति और सनातन को मिटाने का प्रयास किया गया। लेकिन हमारे पूर्वजों ने बलिदान देकर ऐसा नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि अब से संगठित कार्यक्रम नहीं होते थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद विश्व में भारत की अलग पहचान हुई है। उन्होंने कहा कि देश जल्दी ही पहली अर्थ व्यवस्था बनेगी। कार्यक्रम में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसौदिया, महानगर अध्यक्ष मंयक गोयल, विधायक अजीतपाल त्यागी, पूर्व महापौर आशु वर्मा, आशा शर्मा, पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोही, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, वरिष्ठ नेता बलदेवराज शर्मा, अशोक गोयल समेत अनेक भाजपाई प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नगर निगम की 21 महिलाओं का किया गया सम्मान

शुक्रवार को नगर निगम द्वारा आयोजित पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान नगर निगम में कार्यरत 21 महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सहित मेयर सुनीता दयाल ने महिलाओं को सम्मानि किया। सम्मानित होने वाली महिलाओं ने इस मौके पर मेयर सुनीता दयाल का आभार भी प्रकट किया।

नगर निगम पार्षदों ने बढ़ाई कार्यक्रम की शोभा

शुक्रवार को नगर निगम द्वारा आयोजित पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में निगम पार्षद प्रमुख रूप से मौजूद रहे। निगम पार्षद अपने साथ वार्ड के स्थानीय लोगों को भी प्राथमिकता पर लेकर कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम स्थल पूरी तरह से लोगों से भरा रहा और मेयर सुनीता दयाल कार्यक्रम की सफलता पर गदगद नजर आई।

पाल समाज ने किया केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का स्वागत

नगर निगम द्वारा आयोजित पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का जनपद गाजियाबाद आगमन पर पाल समाज की तरफ से बड़ी माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर मेयर सुनीता दयाल सहित नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

होल्कर ने नारी शिक्षा और सुधार कार्य किए: सुनील शर्मा

प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि हमारे देश के इतिहास को तोड़ा मरोड़ा गया है। इतिहास के बारे में कई महापुरुषों का जिक्र नहीं किया ।जिन महापुरुषों ने देश के लिए बलिदान दिया उनके बारे में बच्चों को नहीं पढ़ाया जा रहा। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने नारी शिक्षा और महिला सुधार पर कार्य किए।

संस्कृति और सनातन के लिए जीवन दांव लगाया: सुनीता दयाल

महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने अपना जीवन लोगों की मदद के लिए लगा दिया। उनकी शादी आठ साल की उम्र हो गई ।वह 21 साल की उम्र में विधवा हो गई थी। इसके बाद भी उन्होंने संघर्ष कर लोगों के जीवन में सुधार किया। महापौर ने कहा कि होल्कर ने संस्कृति और सनातन के लिए जीवन दांव लगा दिया।

पांच महिलाओं को सौंपी गई आवास की चाबियां

शुक्रवार को नगर निगम द्वारा आयोजित पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में पांच महिलाओं को प्रधानमंत्री आवास के तहत मकान की चाबियां भी सौंपी गई। आवास की चाबियां पाकर महिलाएं खुशी से झूम उठी और उन्होंने नगर निगम का आभार प्रकट किया।

रूकमणि साक्षात लक्ष्मी स्वरूपा हैं: अभिषेक भाई

भगवान की कृपा से भागवत कथा में कृष्ण-रूक्मणि विवाह कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ: संजीव शर्मा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बद्रीनाथ धाम। शहर विधायक संजीव शर्मा व उनकी पत्नी ऋतु शर्मा एवं आशीष और रूबी अग्रवाल द्वारा शिव बद्रिका धाम बद्रीनाथ में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के छठे दिन भगवान कृष्ण व रूकमणि का विवाह हुआ।

भगवान के विवाह को लेकर भक्तों में बहुत उत्साह रहा। सुंदर झांकियों ने सभी को मोहित कर दिया। कथा व्यास अभिषेक भाई जी बालाजी धाम आश्रम आगरा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का प्रथम विवाह विदर्भ देश के राजा की पुत्री रुक्मणी के साथ हुआ था। रुक्मणी को श्रीकृष्ण द्वारा हरण करने के बाद विवाह किया गया। रुक्मणी स्वयं साक्षात लक्ष्मी हैं और वह नारायण से दूर रह ही नहीं सकती हैं।

रुक्मणी ने जब देवर्षि नारद के मुख से श्रीकृष्ण के रूप, सौंदर्य एवं गुणों की प्रशंसा सुनी तो बहुत प्रभावित हुईं और मन ही मन श्रीकृष्ण से विवाह करने का निश्चय किया। रुक्मणी का बड़ा भाई रुक्मी श्रीकृष्ण से शत्रुता रखता था और अपनी बहन का विवाह राजा दमघोष के पुत्र शिशुपाल से कराना चाहता था। इसीलिए श्रीकृष्ण ने हरण कर रुक्मणी से विवाह किया। कथा के दौरान भजनों ने सभी को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण व रूकमणि के विवाह के दौरान ऐसा लगा कि मानो हम सभी द्वापर युग में पहुंच गए और भगवान के विवाह में शामिल हैं। कथा यजमान शहर विधायक संजीव शर्मा व उनकी पत्नी ऋतु शर्मा एवं आशीष और रूबी अग्रवाल ने भागवत भगवान की आरती की व कथा व्यास का स्वागत किया तथा सभी भक्तों का आभार जताया।

नगर निगम के संपत्ति करों में 3 से 5 गुना तक वृद्धि कर के नोटिस एवं बिल देने पर विरोध जताया

महानगर उद्योग व्यापार मंडल ने पूर्व सांसद अनिल अग्रवाल को सौंपा ज्ञापन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शुक्रवार को महानगर उद्योग व्यापार मंडल महानगर अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान एवं महामंत्री अशोक चावला के नेतृत्व में पूर्व सांसद अनिल अग्रवाल को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें गाजियाबाद नगर निगम द्वारा संपत्ति कर में 3 से 5 गुना तक वृद्धि कर के नोटिस एवं बिल देने पर विरोध दर्ज कराया गया। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में कहा है कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा आवासीय एवं व्यवसायिक कर टैक्स 3 से 5 गुना तक वृद्धि करते हुए बल एवं नोटिस दिया जा रहा है। किसी- किसी के क्षेत्र में व्यवसायिक कर 10 गुना तक भी बढ़कर दिया गया है। यह गाजियाबाद के नागरिकों के साथ अन्याय है। व्यापारियों ने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम में वर्तमान में जिन किराया की दरों पर संपत्ति करो की दरें लागू है। उन्हें 3 से 5 गुना तक एक साथ बढ़ाना किसी भी तरह से उचित प्रतीत नहीं होता है। इससे गाजियाबाद की जनता में असंतोष एवं गुस्सा है और सरकार की बदनामी भी हो रही है। व्यापार मंडल ने पूर्व सांसद से गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारियों को इस संबंध में न्याय संगत कार्रवाई कराने की माग की है। ज्ञापन देने वालों में चेयरमैन बृजमोहन सिंगल, अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान, महामंत्री अशोक चावला, कोषाध्यक्ष नरेश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजदेव त्यागी, उपाध्यक्ष मोनू गोयल, युवा जिला महामंत्री डॉक्टर रघुराज, युवा वरिष्ठ महामंत्री पंकज गुप्ता, महामंत्री वसीम अली, युवा कोषध्यक्ष अमित मैदान, संजय नगर व्यापार मंडल के चैयरमेन प्रदीप गर्ग, अध्यक्ष विपिन गोयल, महामंत्री हरीश शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजा त्यागी, पूर्व कोषध्यक्ष बबलू सिंह, चेयरमैन कुंवर पाल व अध्यक्ष सुधीर चौधरी थे।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य दीपा त्यागी ने लगाया हत्या के प्रयास का आरोप

हिस्ट्रीशीटर भाइयों के खिलाफ पुलिस से की शिकायत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। पूर्व जिला पंचायत सदस्य दीपा त्यागी ने एक बार फिर खुद की हत्या के प्रयास का आरोप लगाया है। महिला ने एक बार फिर भूमाफिया-हिस्ट्रीशीटर भाईयों पर हमला कराने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। आरोप है कि उपरोक्त लोग राज्य सरकार की करोड़ों रुपए की भूमि पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। निवाड़ी थाने में दिये गए शिकायती पत्र में पूर्व जिला पंचायत सदस्य दीपा त्यागी ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। दीपा त्यागी ने पुलिस को बताया कि वह राज्य सरकार की भूमि को लेकर मोदीनगर तहसील में सन 2021 से लगातार शिकायत कर रही हैं, जो भूमि मोदीनगर तहसील प्रशासन द्वारा राजस्व टीम की आख्या अनुसार सन 2022 में कब्जा मुक्त कर दी गई थी और 17 जुलाई 2022 में तहसील प्रशासन द्वारा राज्य सरकार की भूमि का बोर्ड लगा दिया गया था। दीपा त्यागी के अनुसार इसी बीच कई बार भू माफियाओं निवाड़ी थाने के हिस्ट्रीशीटरों कविंद्र त्यागी व अरविंद त्यागी निवासी भनेड़ा कला थाना निवाड़ी तहसील मोदीनगर ने उन्हें राज्य सरकार की भूमि पर ही पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी गई। राजस्व विभाग की टीम के सामने भी कई बार उनके साथ अभद्रता व गाली गलौज की गई। आरोप है कि उपरोक्त लोग कभी भी उनके साथ कोई भी घटना कर सकते हैं। मामला संज्ञान में आने के बाद 23 मई 2025 को मीडियाकर्मी मौके की कवरेज कर उनके साथ लौट रहे थे, तभी शाम लगभग 4.15 बजे निवाड़ी थाने के पास उनके ऊपर ट्रैक्टर बुग्गी से जान से मारने की कोशिश की गई। कुछ अधेड़ उम्र के व्यक्तियों को शराब पिलाकर यह घटना घटित कराई गई। दो व्यक्ति ट्रैक्टर पर बैठे थे व एक व्यक्ति ट्रैक्टर के पीछे बग्गी पर बैठा था। घटना को अंजाम देकर तीनों व्यक्ति वहां से भाग गए। बुग्गी का पहिया मेरे सीने पर चढ़ जाता, लेकिन तभी मीडिया कर्मियों ने उन्हें खींचकर बचा लिया। इस कारण बुग्गी का पहिया मेरे उल्टे पैर के पंजे से लेकर जांघ तक उतरता चला गया।

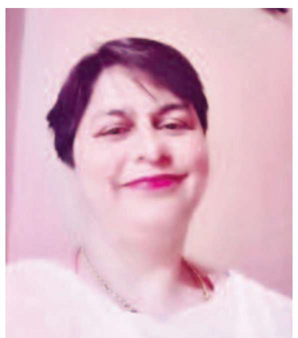

पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार मुन्नी ने अहिल्याबाई होलकर को किया नमन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार मुन्नी ने हिंडन तट स्थित रानी अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति पर माल्यापर्ण कर नमन किया और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर सुरेंद्र कुमार मुन्नी ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने जीवन में जनमानस के उत्थान के लिए संघर्ष किया। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में रानी अहिल्याबाई होलकर के किए गए संघर्ष को देश हमेशा याद करेगा। देश में रानी अहिल्याबाई होलकर ने सनातन धर्म को बनाने में अपना जो योगदान दिया है उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इस मौके पर पाल समाज की ओर से 300 वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार मुन्नी का स्वागत किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया।

लोनी में अहिल्या बाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत संगोष्ठी

सामाजिक समरसता का प्रतीक थी अहिल्या बाई होल्कर: नंदकिशोर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लोनी। लोनी के इंदिरापुरी में शुक्रवार को अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित अहिल्या बाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन भगवती पैलेस, इंदिरापुरी लोनी में किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य अहिल्याबाई होल्कर के प्रेरणादायक जीवन, नारी नेतृत्व, सामाजिक समरसता एवं राष्ट्र सेवा में उनके योगदान को जनमानस तक पहुँचाना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी चैनपाल सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती कांता कर्दम तथा विशिष्ट अतिथि लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर उपस्थित रहे। नगरपालिका क्षेत्र की संगोष्ठी को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी चैनपाल सिंह ने कहा ₹अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास की ऐसी महान महिला थीं, जिन्होंने ना केवल न्यायपूर्ण शासन किया बल्कि समाज के हर वर्ग को समान अवसर प्रदान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष श्रीमती कांता कर्दम ने कहा अहिल्याबाई होल्कर ने अपने जीवनकाल में जो कार्य किए, वे आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने बिना भेदभाव के मंदिरों का निर्माण, धर्मशालाओं की स्थापना और जनता की सेवा को प्राथमिकता दी। ऐसे अभियान हमें हमारी गौरवशाली परंपराओं से जोड़ते हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा लोनी की धरती पर ऐसे ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन गौरव की बात है। मैं चाहूँगा कि क्षेत्र की बेटियाँ अहिल्याबाई जैसे चरित्र से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में आगे आएँ। आज की पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर महिला सशक्तिकरण और सेवा के मार्ग पर चलना चाहिए। यह स्मृति अभियान सामाजिक जागरूकता का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकताओं, महिलाओं और युवाओं ने भी भाग लिया। संगोष्ठी में अन्य वक्ताओं ने भी अहिल्याबाई के जीवन पर विस्तृत चर्चा की और उनके विचारों को अपनाने का आह्वान किया। इस दौरान मुख्य रूप से भाजपा उपाध्यक्ष विजय भाटी, विपिन मावी, महामंत्री राजेन्द्र वाल्मीकि, कार्यक्रम जनपद संयोजक अमित चौधरी, कार्यक्रम संयोजक एवं सभासद दल अध्यक्ष रोहित भारद्वाज, मंडल अध्यक्ष राहुल श्याम सुंदर, मनीष चौहान, अश्विनी कुमार, संतोष मिश्रा, जितेंद्र गुप्ता, महिला बाल कल्याण समिति सदस्य कौमुदी चौधरी, महिला मोर्चा अध्यक्ष आरती मिश्रा, अनुसूचित मोर्चा जिला संयोजक प्रदीप गहलोत, सभासद राजेश सोम, जीतू ,सतेंद्र बंसल, जयवीर बंसल, कृष्ण बंसल, विनीता सिंह, धर्मवती, रुपा चौधरी, अमित तोमर, टीटू ठाकुर, रोहित चौहान, देवेंद्र पाल, धर्मेंद्र कुमार, सुमित कुमार, उपाध्यक्ष किसान मोर्चा पं ललित शर्मा, विपिन कसाना, जिला मंत्री आकाश गौतम, अजय गर्ग, रामभूल शर्मा, ठा. विजय बहादुर, धर्मेंद्र शर्मा, एमएन शास्त्री, वरुण धामा, राजवीर प्रजापति आदि उपस्थित रहें।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में एलुमनाई लेक्चर का हुआ आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। नगर क्षेत्र में स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज में बीडीएस पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए कॉलेज की पूर्व छात्रा डॉ. अनमोल जैन द्वारा एक एलुमनाई लेक्चर प्रस्तुत किया गया ' जिसका विषय हॉव टू क्रैक पीजी एन्ट्रेंस एजाम - टिप्स एंड ट्रिक्स था। इस लेक्चर में 150 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

डॉ. अनमोल ने अपनी बीडीएस की पढ़ाई आईटीएस डेन्टल कॉलेज, मुरादनगर से पूर्ण की थी। उन्होंने अपने इंटर्नशिप के दौरान धर्मशिला नारायण सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में ओरल ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में स्टूअर्डशिप करते हुए महत्वपूर्ण अनुभव अर्जित किया है। डॉ. अनमोल ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ कंजर्वेटिव डेन्टिस्ट्री एंड एंडोडॉन्टिक्स द्वारा यंग अचीवर अवार्ड से सम्मानित हो चुकी है। इसके अतिरिक्त उन्हें पीरियडोनटोलॉजी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है और विभिन्न वर्षो में उन्होंने शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल की है।

वर्तमान में डॉ. अनमोल पीजीआई डेंटल कॉलेज से कंजर्वेटिव डेन्टिस्ट्री एंड एंडोडोंटिक्स विभाग में एमडीएस कर रही है। लेक्चर के दौरान डॉ. अनमोल ने पीजी प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए छात्रों को उपयोगी सुझाव दिये, जैसे परीक्षा के पैटर्न को समझना, विषय अनुसार अध्ययन योजना बनाना, कमजोर विषयों को प्राथमिकता देना, मानक पुस्तकों का अध्ययन करना, नियमित मॉक टेस्ट देना, तथा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना।

उन्होंने छात्रों से बातचीत के दौरान उनके सभी प्रश्नों के उत्तर भी दिए, जिससे छात्रों को मार्गदर्शन एवं आत्मविश्वास प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के डायरेक्ट-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी, डीन-पीजी स्टडीज, डॉ. सोनाली तनेजा तथा डीन-एलुमनाई डॉ. पायल द्वारा डॉ. अनमोल को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ , जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

किसानों की उम्मीदें और चुनौतियां

सरकार ने चालू वित्तवर्ष में खरीफ फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की घोषणा कर दी है। हर वर्ष फसल की बुआई से पहले फसलों की एमएसपी घोषित की जाती है। इस वर्ष धान की फसल के लिए पिछले वर्ष की तुलना में न्यूनतम समर्थन मूल्य उनहत्तर रुपए प्रति कुंतल बढ़ा दिया गया है। इसी तरह कुल चौदह फसलों का एमएसपी घोषित किया गया है, जिनमें दलहनी फसलें और मोटे अनाज शामिल हैं। सरकार का दावा है कि यह बढ़ोतरी उसके वादे के अनुरूप है, जिसमें उत्पादन लागत का कम से कम पचास फीसद अधिक एमएसपी तय किया जाता है। इसके अलावा, ब्याज सबवेंशन योजना के तहत किसानों को खेती और बागवानी के लिए तीन लाख रुपए तक और कृषि सहायक उद्यमों जैसे पशुपालन और मछली पालन के लिए दो लाख रुपए तक का कर्ज रियायती दर पर उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है। कहा जा रहा है कि इससे किसानों को काफी लाभ मिलेगा और कृषि क्षेत्र में सुधार नजर आएगा। पर इन घोषणाओं से किसान संगठन कितने खुश हो पाते हैं, देखने की बात होगी, क्योंकि वे लंबे समय से न्यूनतम समर्थन मूल्य में विसंगतियों और कृषि सुविधाओं में कमी के मुद्दे उठाते रहे हैं। किसानों की स्थिति बेहतर करने के मकसद से स्वामीनाथन समिति का गठन किया गया था, जिसने सुझाव दिया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का कानून बनना चाहिए। फिर, उत्पादन लागत में किसानों के पारिवारिक श्रम की कीमत भी जोड़ी जानी चाहिए। मौजूदा सरकार ने वादा किया था कि किसानों को उनकी फसलों की कीमत लागत की डेढ़ गुना तक दी जाएगी। मगर न्यूनतम समर्थन मूल्य के निर्धारण में किसानों के पारिवारिक श्रम की कोई कीमत नहीं आंकी जाती। फिर, बीज, खाद, कीटनाशक, सिंचाई आदि पर आने वाले खर्च को भी ठीक से नहीं आंका जाता, जिसकी वजह से लागत और अंतिम मूल्य में बहुत अंतर नहीं रह जाता। खासकर धान जैसी फसलों पर उत्पादन लागत अधिक बैठती है। फिर भी, न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी से किसानों में फसल बोने को लेकर उत्साह बनता है। पर यह शिकायत आम है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य तय होने के बावजूद आढ़ती उस कीमत पर किसानों से फसलें नहीं खरीदते। ज्यादातर मामलों में उससे कम, बल्कि कई बार किसान काफी कम कीमत पर फसल बेचने को मजबूर होते हैं। इस पर रोक लगाने का कोई उपाय अभी तक नहीं किया गया है। इसीलिए एमएसपी की गारंटी का कानून बनाने की मांग जोर पकड़ती रही है। सरकार का वादा है कि वह किसानों की आय दोगुनी करेगी। इसके मद्देनजर कई योजनाएं भी चलाई गई हैं। किसान क्रेडिट कार्ड भी उसी में एक है। पर किसानों की दशा में कोई उल्लेखनीय सुधार नजर नहीं आ पा रहा, तो इसकी कुछ वजहें साफ हैं। एक तो, देश के अस्सी फीसद से ऊपर सीमांत किसान हैं, जो किसी तरह अपने परिवार के गुजारे भर की फसल पैदा कर पाते हैं।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णादत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ, वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते, तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके, ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा, बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया, और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात् देखा गाया, भगवान् राम का दिव्य जीवन)

भाग 21, गतांक से आगे .....

महर्षि वशिष्ठ की शिक्षा प्रणाली

महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज के यहाँ प्रातःकालीन ब्रह्मविद्या का प्रसार होता, वेद-मन्त्रों के ऊपर अध्ययन होता। मध्य दिवस में विज्ञानवेत्ता विज्ञानशाला में विज्ञान की शिक्षा ग्रहण करते थे। वह क्रियात्मक शिक्षा थी। राम के काल में ऐसे-ऐसे यन्त्र विद्यमान थे, जिनसे वह विज्ञानशाला में अनुसंधान करते थे। महर्षि भारद्वाज और ब्रह्मचारी कबन्धी के सहयोग से उन्होंने एक यन्त्र का निर्माण किया था, जिसे 'अहिल्या प्रतिभा वृत्त यन्त्र' कहते थे। पृथ्वी को अहिल्या कहते हैं। उस यन्त्र में यह विषेशता थी, कि पृथ्वी के गर्भ में दो-दो, तीन-तीन योजन के निचले भाग से उसमें चित्र दृष्टिपात आने लगते थे। उन चित्रों को प्रायः क्रिया में लाना, खनिजों को जानना, कितनी दूरी पर कौन सा खनिज है, कौन सी सूर्य की किरण कहाँ प्रवेश करके जल को किस प्रकार तपायमान कर रही है? उसी जल को जब वह अपने में ग्रहण करती है तो वाहनों में किस प्रकार का जल नृत्य करतारहता है?

प्रवचन सन्दर्भ 01-08-1987

भगवान् राम महर्षि वशिष्ठ मुनि के यहाँ विद्याध्ययन करते थे। वहाँ उन्होंने तीस वर्षों तक अध्ययन किया। महर्षि वशिष्ठ ने भगवान् राम के जीवन के, ब्रह्मचारियों के जीवन के, तीन भाग बनाये थे। सबसे प्रथम दस वर्षों के समय पर्यन्त उन्हें वचन, प्रतिज्ञाओं और शिष्टाचार में परिणित कराया। उन्होंने दस वर्षों तक धनुर्विद्या तथा दस वर्षों तक विज्ञान की शिक्षा का अध्ययन किया था और उसको क्रियात्मक रूप में लाये। त्रेता के काल में वशिष्ठ मुनि के आश्रम में विज्ञानशाला थी, जिसमें माता अरून्धती और महर्षि वशिष्ठ दोनों अध्ययन कराते थे। लोक-लोकान्तरों के ऊपर उनका विशेष अध्ययन रहता था। वे पृथ्वी के ऊपर भी अनुसंधान करते थे। वे पृथ्वी के कणों को घ्राण के द्वारा, सुगन्ध के द्वारा भगवान् राम को यह निर्णय कराते कि अमुक स्थल पर भूमि के रज का स्वादन तीखा होता है, अग्रे होता है, किरकिरा होता है। नाना प्रकार के जो इस पृथ्वी के कणों का रसास्वादन होता है, उसको रसना के अग्र भाग पर निर्णय करा देते थे। उनका अध्ययन चलता रहता था कि मैं पृथ्वी को जानूँ।

ब्रह्मचारी कृष्णादत्त जी

प्रवचन सन्दर्भ 18-11-1973

भगवान् राम जब वशिष्ठ के द्वारा अध्ययन करते थे तो प्रायः माता अरून्धती उन्हें नैतिक शिक्षा दिया करती थी और वह याग इत्यादियों में परिणित रहती, क्योंकि माता अरून्धती का जीवन भी बड़ा अद्वितीय रहा है। उनका जीवन ब्रह्मवादिनी का रहा है और वे लोक-लोकान्तरों की प्रायः चर्चा करती रही हैं और धनुर्याग में उनका बड़ा सहयोग रहा है।

एक समय प्रातःकाल भगवान् राम, माता अरून्धती और वशिष्ठ, ओर भी ब्रह्मचारी, भ्रमण करते हुए, भंयकर वनों में पर्वतों की छाया में पहुँचे। गन्ध को ही धारण करते हुए भगवान् राम ने कहा कि यह जो पर्वतों की अनुद्यति है, अथवा इसकी तलहटी है, इसमें अमुक खनिज विद्यमान है। उन्होंने पृथ्वी के कणों की सुगन्ध से घ्राण के द्वारा उसको जाना। तो, उन्होंने, पृथ्वी के गर्भ में जाने का प्रयास किया। उस खनिज को जानने का प्रयास किया। तो वह खनिज, कुछ दूरी पर जाकर के उन्हें प्राप्त हो गया। घ्राणेन्द्रियाँ अपने में बड़ी अद्वितीय क्रियाकलाप करती रहती हैं। माता अरून्धती ने कहा, ''राम! तुम बडे प्यारे सखा हो यह उत्तर दो कि तुमने यह कैसे जाना है?'' उन्होंने कहा, ''मातेश्वरी! यह घ्राणेन्द्रियों का विषय है और घ्राण का समन्वय पृथ्वी से है और पृथ्वी में सर्वत्र खनिज विद्यमान रहते हैं। यह पंच महाभौतिक जो गमन करने वाला अमृत है, वह उसमें नृत्त्य करता रहता है और वही हमारी घ्राण-इन्द्रियों में गमन करता रहता है। तो उसको हम इस प्राण के माध्यम से घ्राणेन्द्रियों से जानने का प्रयास करें।'' भगवान् राम के इन वाक्यों को श्रवण करके माता अरुन्धती बड़ी प्रसन्न हुई और उन्होंने कहा, ''धन्य है!'' उनके विद्यालय का यह प्रमुख छात्र अपने में अनुसंधान करता रहता था। प्रवचन सन्दर्भ 03-10-1992 क्रमशः......

मॉडर्न व्यासपीठ

आने वाले कलिकाल की बुद्धिहीनता-शक्तिहीनता को ध्यान में रखते हुए, श्रुति-स्मृति-परम्परा की भावी दुर्बलता पर विचार करते हुए, ज्ञान के सम्यक न्यास हेतु महर्षि व्यास की उत्पत्ति हुई द्वापर-कलि के संध्याकाल में और लगभग यहीं से प्रारम्भ हुई हमारी पुस्तकीय परम्परा। मूर्खाधिराज मेकालेवादियों की मन्द बुद्धि और समझ के अनुसार, ऐसा नहीं है कि पहले हमें लिखना नहीं आता था, लेखन-सामग्री नहीं थी हमारे पास, प्रत्युत लेखनी-पुस्तकी-विधा को हमने प्रश्रय ही नहीं दिया कभी, क्योंकि हमारी मेघा इतनी प्रखर थी कि आवश्यकता ही नहीं थी लेखनी की। सिद्ध गुरू प्रदत्त श्रुति-स्मृति परम्परा ही इतनी सुदृढ़ थी कि किसी वाह्य उपकरण की आवश्यकता ही प्रतीत नहीं होती थी। हमारे पास तन्त्र और योग की ऐसी विकसित विधियाँ थी कि आज के मॉडर्न डिवाईस की तरह एक मेमोरीकार्ड से दूसरे मेमोरीकार्ड में सहज ही डाटा ट्रान्सफर हो जाता था, जब कभी गुरू की कृपा हो जाती थी। पौराणिक गुरुकुल परम्परा में ऐसे सैंकड़ों उदाहरण भरे पड़े हैं।

दुर्भाग्यवश या कहें कलिकालवशात विगत पाँचहजार एक सौ पैतीस वर्षों में शनैः शनैः ये सब लुप्त होती गई। लुटेरे मुगलों की बरबरता और गोरन्ड म्लेच्छों की कुटिलता ने भारतवर्ष की संस्कृति को नष्ट-भ्रष्ट करने में कोई कसर न छोड़ी। रही-सही संस्कृति को हम स्वयं ध्वस्त करने को विकल हैं, म्लेच्छ आचरण के प्रभाव में आकर। संस्कारहीनता कूटकूट कर भर गई है। गुरुकुल समाप्त हो गए हैं प्रायः। मेकाले के वंशजों की ऊत्तुंग अट्टालिकाएँ कुकुरमुत्ते सी पसर गई हैं चारोंओर। जहाँ शिक्षा के नाम पर सिर्फ अशिक्षा परोसी जाती है। टाई से लेकर जूते तक वहाँ उपलब्ध हैं जबरन। यानी ज्ञान छोड़कर बाकी सबकुछ मिल सकता है वहाँ। और उसकी ही भारी कीमत देकर हम इठला रहे हैं। इतरा रहे हैं।....1

श्रीकृष्णद्वैपायन महर्षि व्यास के तिरोभाव के पश्चात् समयानुसार उनकी परम्परा के आधार पर ही व्यासपीठ न्यस्त हुआ था। इस महिमामय उच्चासन पर विराजकर भारतीय संस्कृति और ज्ञान का उद्बोधन हुआ करता था।

कमलेश पुण्यार्क (गुरुजी)
मैनपुरा, कलेर, अरवल (बिहार)

धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष यानी जीवनोपयोगी सभी बातों के साथ-साथ जीवनोत्तर लक्ष्य की बातें भी सिखलायी जाती थी- निर्विकारभाव से, निःस्वार्थभाव से। उन दिनों व्यासपीठ की अपने आप में बड़ी गरिमा थी। बहुत सम्मान था। कोई ऐरा-गैरा-नथुखैरा व्यासपीठ का अधिकारी कदापि नहीं हो सकता।

किन्तु दुर्भाग्य! व्यासपीठ अब योग्यता का प्रतीक नहीं, बल्कि आडम्बर, कलाबाजी और नौटंकी का नमूना बन कर रहा गया है। अति अयोग्य, निकृष्ट, संस्कारहीन, पतित, हत्यारे, लुटेरे, चोर, पॉकेटमार, जुआरी, शराबी, इश्कबाज, रंडीबाज सब के सब आ बैठे हैं व्यासपीठ पर। पावन व्यासपीठ अब नट-नगाड़े, भाँड़-भेडुओं का ऐशगाह बनकर रह गया है।

विडम्बना ये है कि हम ऐसे मूर्ख और जाहिल हैं कि योग्यता पर विचार करने के बजाय, बाहरी आडम्बर पर आकृष्ट होते हैं। पीठासीन व्यास का न तो हम वय देखते हैं, न योग्यता और न उसकी वाणी का संयम-संतुलन। कुछ भी बके जा रहा है व्यासपीठ पर बैठ कर, कुछ भी सुनाए जा रहा है मंचासीन होकर और हम मुग्ध होकर, सुने जा रहे हैं।

अभी हाल में ही एक प्रियजन के आमन्त्रण पर श्रीमद्भागवत सप्ताह के आयोजन में उपस्थित होना पड़ा। आमतौर पर हमें इस तरह के यज्ञ, प्रवचन, कथा, सप्ताह-श्रवण आदि में विशेष अभिरूचि नहीं है। एकान्त-चिन्तन, अध्ययन, मनन आदि ही अधिक प्रीतिकर लगता है। किन्तु स्वजनों के आग्रह को ठुकराना भी पारिवारिक और सामाजिक विचार से अच्छा नहीं कहा जा सकता। अतः उपस्थित होना ही उचित लगा।

व्यासपीठ की नौटंकियों के बारे में बहुत कुछ सुनते-गुनते आया था, किन्तु करीब से देखने-समझने का मेरा ये पहला और शायद आँखिरी अवसर था। भव्य पंडाल में सुख-सुविधा के सभी आधुनिक संसाधन-उपकरणादि उपलब्ध थे। डी.जे. के डेढ़-दो सौ डेशीबल वाले कर्कश स्वर के बिना तो आजकल कोई सामान्य भजन-कीर्तन भी पहुँचता ही नहीं है भगवान के पास। एक सौ आठ भोंपुओं के बिना श्रीमद्भागवत सप्ताह यज्ञ कैसे सम्पन्न हो सकता है भला! सुबह से देर रात तक भोंपू बजते रहते। आयोजक को तो मजा आ ही रहा था।

घरवाले भी उनके आनन्दरस में लगभग सराबोर हो ही रहे थे, किन्तु पता नहीं अभागे पड़ोसियों की क्या दशा होगी! उनकी सुधी लेने वाला भला कौन है!

कोई दस फुट ऊँचे असली और नकली फूलों से अलंकृत मंच पर सारे सौन्दर्य प्रसाधनों से सुसज्जित, गले में पुष्पमालाओं का बोझ थामें एक अदना सा छोरा व्यासपीठ पर दांत चिहारते हुए आसीन था। सुनने में आया कि श्रीकृष्णधाम वृन्दावन से आए हैं महाराज जी। दिल्ली वाले 'धार्मिक इवेन्ट मैनेजर' फलाने पंडतजी ने बड़ी अनुनय के बाद भेजा है इन्हें। बहुत अच्छा कथावाचन करते हैं। तीन लाख इनकी दक्षिणा है, किन्तु परिचित होने के कारण सवालाख में ही मान गए।

कथास्थल का वातावरण आधुनिक बदबूदार नकली इत्र-फुलेल से आप्लावित था। व्यासपीठ से अपेक्षाकृत कुछ नीचे विशाल गद्दी पर चार-पाँच साजिंदे अपने-अपने शोरगुल उपकरणों के साथ खींसें निपोरते हुए नजर आए। अल्ट्रामॉडर्नस्टाईल छुछंदरकट बाल-दाढ़ी वाले सहयोगियों का मरकट मुखड़ा और थोबड़ा व्यासजी की तुलना में थोड़ा कम सजावट वाला था। शायद व्यासजी ने ज्यादा फेशपाउडर खुद ही इस्तेमाल कर लिया था और बची-खुची डिबिया उन बेचारों के हाथ लगी हो-जैसा कि मुझे लगा। व्यासपीठ और साजिंदा-मंच के बीच में सिंहासननुमा एक और गद्दी लगी हुई थी, जिसके आगे बनावटी फूलों से सजी छोटी चौकी पर व्यासपन्ना वाला नहीं, बल्कि सजिल्द श्रीमद्भागवत की पुस्तक अधखुली पड़ी थी, जिसके पन्ने बीच-बीच में मौका देखकर सह श्रीमान व्यासजी पलट दे रहे थे। गर्दभस्वर में तथाकथित संगीत गूँज रहा था। सभी साजिंदे भी गर्दभराग में रेंक रहे थे। मजे की बात है कि सामने बैठा स्त्रोतासमूह मस्ती में झूम रहा था। कुछ विशेष भक्त अपने हाथ ऊपर उठा-उठाकर, व्यासजी की हस्त भंगिमानुसार बीच-बीच में नाच-कूद भी रहे थे। कथा-स्थल का माहौल

कुछ ऐसा था मानों सबने भाँग पी रखी है!

शुद्ध घी में बने मिष्टान्न और फलों का दूँसमट्रैस अल्पाहार लेने के बाद, चाय-कॉपी-कोल्डड्रिंक के दो-चार दौर निपटाकर, करीब नौ-साढ़े नौ बजे से कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। 'अनुस्वारं देतं संस्कृतं होतं' और 'हाथ हिलातं बैदिकं कहलातं' वाले अन्दाज में घंटे-डेढ़ घंटे तक आडम्बरी चित्रपट पूजन का क्रम चला। फिर ढाई-तीन घंटे की नाच-गान-नौटंकी के बाद मध्यान्तरी आयी।

डायनिंग टेबल पर जम कर फरमायशी भोजन लिया गया। फिर दो-ढाई घंटे का विश्राम, गमशप, फोटोशूट, सेल्फी, रील आदि का सत्र चला। इनमें वालाओं और महिलाओं का विशेष योगदान रहा। सायं आरती वन्दन के साथ कथावाचन यानी मोहक प्रवचन प्रारम्भ हुआ। घिसी-पिटी कथाएं (रहस्य, व्याख्या और विमर्श का नामोनिशान नहीं), बीच-बीच में फिल्मी पैरोडी वाले भजन, भोजपुरिया द्वैअर्थक गीतों का तड़का भी लगता। कथाप्रसंगानुसार या कुछ दृश्य जबरन आरोपित करके भी, किंचित कृष्णलीलाओं का समावेश भी हुआ करता, जिसमें लीला कम, गिफ्ट और चढ़वा का विशेष ध्यान रखा जाता था। और अन्त में मंगलआरती के साथ तद्दिवसीय कार्यक्रम की समाप्ति होती। पुनः सुस्वादु शुद्ध घी में तली मैदे की पूड़ियाँ, दो-तीन सब्जियाँ, स्लाद और मधुर मिष्टान्न युक्त रात्रि-भोजन और फिर गपशप का दूसरा दौर-नये रील-सेल्फी के साथ। यही क्रम था, यही रूटीन था लगभग रोज का।

मेजवान-यजमान ने मौका पाकर मुझसे मेरी राय जाननी चाही, जिसमें स्वतन्त्र राय की गुंजायश कम, बाहबाही सुनने की आशा अधिक थी। मैं उनके सम्मान में मुस्कुरा कर कहा- भाईजी! व्यक्तिगत व्यवस्था तो आपकी काबिले तारीफ है। स्वागत-सत्कार में आपने जरा भी कोताही नहीं की है। मनोरंजन तो भरपूर हो रहा है, किन्तु वृन्दावनी स्वर में श्रीमद्भागवत के श्लोक सुनने को मेरे कान तड़पते ही रह गए। मैंने तो सुना है कि श्रीमद्भागवत सप्ताह यज्ञ कलिकाल का सर्वोत्तम यज्ञ है। श्रमसाध्य, अर्थसाध्य और समयसाध्य तीनों है ये। श्रीकृष्ण का हृदय कहे जाने वाले श्रीमद्भागवत सप्ताह-वाचन में विद्वानों की भी परीक्षा हो जाती है। विशेषकर पंचमस्कन्ध का जिस दिन क्रम आता है, वो सर्वाधिक दुरूह होता है। विद्वान संस्कृतज्ञ कथा मर्मज्ञ को नित्य साप्ताहिक पाठवाचन में छः-सात घंटे, किसी दिन तो नौ घंटे भी लग जाते हैं सही विधि से पाठ करने में। और यहाँ तो नाच-गान-नौटंकी में ही ज्यादा समय व्यतीत हुआ। मूल पाठ कब-कैसे-किसके द्वारा किया जा रहा था?

उन्होंने मेरी नासमझी पर हँस कर कहा- 'अरे बाबू! तुमने ध्यान नहीं दिया? मूल पाठ तो अखण्ड-अनवरत चल ही रहा था, वो जो दूसरे सिंहासन पर व्यासजी के सहयोगी बैठे हुए थे, उनके द्वारा। बड़े व्यासजी को समय कहाँ मिलता है कि वो पाठ परायण करें। छोटेवाले व्यासजी का भी ग्यारह हजार दक्षिणा है।'

उनसे पूछना तो उचित नहीं लगा कि आपने पाठ सुना कब? फलतः सिर्फ अपना माथा ठोंक कर रह गया।

सच तो ये है कि श्रीमद्भागवत सप्ताह श्रवण की बात कही गई है शास्त्रों में। नित्य पाठ के अन्त में स्वतन्त्र रूप से सहयोगी द्वारा किंचित कथा-प्रवचन आदि हो जाए तो अति उत्तम। न भी हो तो कोई हर्ज नहीं। मुख्य यजमान दम्पति के अतिरिक्त अन्यान्य घर-परिवार, इष्ट-मित्र सभी मनोयोग पूर्वक पाठ-श्रवण करते हैं। अन्तिम दिन पूणार्हुति यज्ञ और भंडारे के साथ व्यासपीठ को सम्मानित करके, विसर्जन और विदाई होती है-यही शास्त्र सम्मत विधान है। मनमाने समय पर सप्ताह-श्रवण होना भी नहीं चाहिए। और इसकी विधि जानने के लिए अन्यत्र जाने की आवश्यकता भी नहीं है। मूल पुस्तक में ही स्पष्ट है सबकुछ।

किन्तु कटु सत्य ये है कि सुयोग्य सप्ताह-वाचक विरले ही मिलते हैं और धैर्यवान सप्ताह-स्त्रोता भी। कुटिल बाजारवाद के दौर में वृन्दावन में बाकायदा व्यासपीठ प्रशिक्षण केन्द्र चल रहे हैं, जहाँ रंगरूट बाबा तैयार किए जाते हैं-सप्ताह-दस दिनों की ट्रेनिंग में। वृदावन के नाम का ठप्पा लग गया यदि तो समझो कृष्णकथाविशारद हो गए। इसी तरह अयोध्या के ठप्पे से रामकथा पारंगत। बाकी यज्ञ-याग-कर्मकाण्ड के लिए तो बनारसी बाबा बाजार है ही। उनसे भला कौन पंगा लेना चाहेगा। हर क्षेत्र में बाबाओं की अपनी-अपनी मण्डलियाँ हैं। गुटबाजी है। महानगरों में बैठे, नादनुमा तोंद पर हाथ फेरते, इवेन्ट मैनेजमेंट वाले दलाल इनके नियोक्ता हुआ करते हैं। इनके बदौलत ही तथाकथित धर्म की कालाबाजारी कलिकाल में भरपूर फलफूल रहा है।

क्यों न फैले, पवित्र व्यासपीठ पर आसीन होकर नौटंकी करने करने वाले बहुरूपिए बाबाओं की फौज है, विशेषकर तीर्थस्थलों में-उन तीर्थस्थलों में जो अब प्रायः पर्यटनस्थल बन चुके हैं। पुराने धर्मशालाओं को नेस्तनाबूद कर फाईवस्टार होटलों में तबदील कर दिया गया है। एक ओर बाबाओं की मण्डली है तो दूसरी ओर मूर्ख-जाहिल यजमानों की भीड़ । मोटी दक्षिणा और भरपूर चढ़ावा पाकर बाबा भी खुश और कार्यक्रम का फोटोशूट-वीडियोग्राफी कराकर, सोशलमीडिया में शेयर करके यजमान भी प्रफुल्लित।

आत्महत्या करने वाले का सूतक नहीं लगता है

विष्णुपुराण के तृतीय अंश के 13 वें अध्याय के 17 वें श्लोक में, भृगुवंशीय और्व ऋषि ने गृहस्थों के धर्म को बताते हुए, महाराज सगर से कहा कि -

बाले देशान्तरस्थे च पतिते च मुनौ मृते।
सद्यश्शौचं तथेच्छातो जलाग्न्युद्बन्धनादिषु।।

इनके मरने पर उसी दिन सूतक समाप्त हो जाता है। अन्त्येष्टि संस्कार करने के पश्चात स्नान करते ही शुद्धि हो जाती है। दस बारह दिन तक सूतक नहीं रहता है।

(1) बाले अर्थात बालक के समाप्त होने पर।

नवजात शिशु से लेकर यज्ञोपवीत संस्कार के पूर्व तक, अर्थात पंद्रह वर्ष तक के बालक की मृत्यु होती है तो, उसका सूतक, उसी दिन पूर्ण हो जाता है।

इसी प्रकार नवजात बालिका से लेकर, बालिका के रजोधर्म के पूर्व ही मृत्यु होती है तो, उसका भी सूतक उसी दिन समाप्त हो जाता है।

अर्थात दस दिन तक मृतक की अशुद्धि नहीं रहती है।
सद्यःशौचम् अर्थात उसी दिन ही शुद्ध हो जाते हैं।

(2) देशान्तरस्थे अर्थात दूसरे देश अर्थात स्थान में किसी के मरने पर।

आचार्य सूर्यकांत त्रिपाठी

यदि किसी के पारिवारिक सम्बन्धी, अपने स्थान से बहुत दूर किसी स्थान में मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं तो, भी सुनते ही उसी दिन सूतक समाप्त हो जाता है।

यदि आप के घर में ही, गांव में ही, या शहर में ही मृत्यु होती है तो, मरणसूतक का विधिवत पालन करना चाहिए।

पतिते
****

यदि कोई स्त्री या पुरुष अपने धर्म से पतित हो गए हैं तो, उनके मरने पर भी एक दिन का ही सूतक मान्य है।

यदि किसी स्त्री ने, अपने पति के रहते हुए, किसी अन्य पुरुष को भी स्वीकार कर लिया है तो, ऐसी स्त्री को पतिता कहते हैं।

इसी प्रकार यदि किसी पुरुष ने, अपनी पत्नी होते हुए भी, किसी अन्य स्त्री को स्वीकार किया है तो वह पुरुष भी पतित कहा जाता है।

अथवा किसी स्त्री पुरुष ने, अपनी जाति से, भिन्न जाति के स्त्री पुरुष को स्वीकार कर लिया है तो भी, वे पतित ही कहे जाते हैं।

अपने धर्म से च्युत होने पर, सभी पतित कहे जाते हैं।

यदि कोई स्त्री पुरुष, अपने धर्म का त्याग करके, किसी अन्य विजातीय धर्म को स्वीकार कर लेते हैं तो, वे भी पतित कहे जाते हैं।

धर्म परिवर्तन करके, दूसरे धर्म में गए हुए किसी पुरुष, या स्त्री का देहावसान होता है तो, अपने धर्म में स्थित पारिवारिक सम्बन्धियों को उनका सूतक नहीं लगता है। वे भी उसी दिन शुद्ध हो जाते हैं।

इनके शरीरत्याग के पश्चात, इनका सूतक भी एक दिन ही रहता है। वैसे तो ऐसों का मरणसूतक तो श्मशान तक ही रहता है।

सचैल स्नान करते ही शुद्ध हो जाते हैं। इसी को ही सद्यःशौच कहते हैं।

> अपने देवताओं का पूजन तथा पूर्वजों का श्राद्ध अवश्य ही करते रहना चाहिए। इसीलिए तो शास्त्रों में कहा गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने पूर्वजों का श्राद्ध करना चाहिए। जिससे कि - आनेवाले वंशजों को यह ज्ञान और ध्यान रहे कि श्राद्ध करना, तर्पण करना, मनुष्यों का प्रधान कर्तव्य है।

मुनौ मृते।

किसी मुनि अर्थात सन्यासी के शरीरत्याग का सूतक भी शिष्यों को नहीं लगता है। वे भी जलसमाधि देने के पश्चात अथवा अग्निदाह करने के पश्चात शुद्ध हो जाते हैं।

जलाग्न्युद्बन्धनादिषु।
****

कोई स्त्री या पुरुष, का जल में डूबकर, या अग्नि में जलकर मरण हुआ है तो, वह अकालमृत्यु कही जाती है।

अग्नि जल से मृत्यु को प्राप्त स्त्री पुरुषों का मरणसूतक भी उसी दिन शुद्ध हो जाता है।

उद्बन्धन
***

उद्बन्धन अर्थात कण्ठ को बांधकर अर्थात फांसी लगाकर, कोई स्त्री पुरुष की मृत्यु होती है तो, वह भी अकालमृत्यु ही है।

फांसी लगाकर मरे हुए स्त्री पुरुषों का सूतक भी नहीं लगता है।

श्लोक के अंत में आदिषु अर्थात इत्यादि प्रकार कहा गया है।

अर्थात किसी स्त्री पुरुष की मृत्यु, अस्त्र शस्त्र के आघात से हुई हो, या मार्ग में किसी वाहन आदि से मृत्यु हुई हो तो, ऐसे मृत स्त्री पुरुषों की भी अकालमृत्यु मानी जाती है। इनका भी सूतक नहीं लगता है।

किसी स्त्री पुरुष ने विष खाकर प्राणघात किया है, अथवा किसी ऊंचे स्थान से कूदकर प्राणघात किया है तो, इनका भी मरणसूतक अन्त्येष्टि संस्कार होने के पश्चात ही समाप्त हो जाता है।

जन्माशौच का निर्णय तथा मृताशौच का विस्तृत विवरण तो धर्मशास्त्रों में ही अतिसूक्ष्मता से दिया गया है।

तथापि अतिसंक्षिप्त रूप से, ये मरणाशौच बताया गया है।

पवित्रता अपवित्रता के विषय में, एकमात्र शास्त्र ही प्रमाण माने जाते हैं। कोई सामाजिक परम्परा प्रमाण नहीं होती है।

कुछ लोग तो कहते हैं कि हमारे यहां तो तेरहवीं भी नहीं मनाई जाती है।

किसी कारणवश पूर्वजों ने तेरहवीं आदि, श्राद्ध आदि नहीं किया होगा तो, उनके पारिवारिक जन कहते हैं कि हमारे यहां तेरहवीं नहीं होती है।

किन्तु यह परम्परा ही मृतकों को अशान्तिदात्री है।

पितरों के दुखी रहने पर, परिवार का कोई भी सदस्य सुखी नहीं रहता है।

पितरों का श्राद्ध आदि न करने पर, परिवार में अकालमृत्यु होने लगती है। भयानक रोग होने लगते हैं।

पारिवारिक दूषण भी होता है। कन्याएं भी दूसरी जाति धर्म में चलीं जातीं हैं। गृहकलह बढ़ जाता है। अनेक प्रकार की अशान्ति होती है। जिसका निराकरण तो एकमात्र अपने धर्म का पालन करने से ही होता है।

अपने देवताओं का पूजन तथा पूर्वजों का श्राद्ध अवश्य ही करते रहना चाहिए।

इसीलिए तो शास्त्रों में कहा गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने पूर्वजों का श्राद्ध करना चाहिए। जिससे कि - आनेवाले वंशजों को यह ज्ञान और ध्यान रहे कि श्राद्ध करना, तर्पण करना, मनुष्यों का प्रधान कर्तव्य है।

अभी कुछ स्थानों में तो ऐसा भी चल पड़ा है कि तेरहवीं के दिन कन्याओं को भोजन करवाते हैं।

किन्तु शास्त्रों के विरुद्ध है।

श्राद्ध में तथा तेरहवीं में कन्याओं को भोजन नहीं करना चाहिए, और किसी को करवाना भी नहीं चाहिए। कन्याओं को भी हानिकारक है, और तेरहवीं का भोजन करानेवाले के लिए भी हानिकारक है।

आजकल कुछ लोग ब्राह्मणों को भोजन न कराकर, गरीबों को भोजन करवा देते हैं।

किन्तु जिस शास्त्र में, तेरहवीं के भोजन आदि करवाने का विधान लिखा है, यदि वैसा विधान नहीं किया जाता है तो, आधी अधूरी विधि से, या विपरीत विधि से, विपरीत फल ही मिलता है। कोई पुण्य भी नहीं होता है।

गरीबों को भोजन अवश्य ही करवाना चाहिए। तेरहवीं के दिन भी करवा सकते हैं। किन्तु जिनको भोजन करवाने का विधान है, उनको त्यागकर, किसी को भी भोजन करवाया जाएगा तो, वह विपरीत विधि है। ब्राह्मणों को भी भोजन कराइए, तथा गरीबों को भी भोजन कराइए तो, ठीक है। किन्तु किसी शास्त्रीय विधि को जाने बिना ही, अपने मन से किया गया कर्म, मात्र कर्म ही है। उसका कोई फल नहीं मिलता है। जिस उद्देश्य से किया जाता है, वह उद्देश्य भी पूर्ण नहीं होता है।

जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त, जो भी जैसी विधि लिखी हुई है, उसी विधि से किए गए कर्मों का ही सफल फल मिलता है। परम्परा को देखकर, या किसी अज्ञानी, मूढ़ स्त्री पुरुषों की बुद्धि से चलकर जो कर्म किए जाते हैं, वे निष्फल ही होते हैं।

औषधि का सेवन, डाक्टर या वैद्य से पूंछकर, समय पर ही, मात्रा के अनुसार लेने से ही रोगनाश का फल मिलता है।

यदि कोई रोगी, डाक्टर वैद्य की बात न मानकर, अपनी इच्छा से, जितनी चाहे, उतनी औषधि खाएगा तो, रोग की वृद्धि होगी, और रोगी का ही नाश हो जाएगा।

शास्त्रों के अनुसार ही विधि का पालन करना चाहिए, किसी व्यक्ति विशेष की बात मानकर, अपनी शास्त्र परम्परा का त्याग नहीं करना चाहिए।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में ''हिन्दी पत्रकारिता दिवस'' पर काव्य संगोष्ठी व ''साहित्य सम्मान समारोह'' का शानदार आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। वेंक्टेश्वरा एवं साहित्यिक संस्था ''मधुरम'' के संयुक्त तत्वाँधान में आयोजित काव्य संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में विख्यात महाकवियत्री डॉ0 मधु चतुर्वेदी, भारतीय साहित्य परिषद के अध्यक्ष डॉ0 यतीन्द्र कटारिया, डॉ0 चेतन 'आनन्द', डॉ0 सतीशवर्धन, मशहूर शायर गोविन्द गुलशन, सुप्रसिद्ध कवियत्री एवं रेडियो आर0जे0 डॉ0 नीरजा चतुर्वेदी, कवि डॉ0 अनिल वाजपेयी समेत दो दर्जन से अधिक कवियो एवं साहित्यकारो/कलाकारो को शॉल, पटका, पगडी एवं स्मृति चिन्ह भेट कर किया सम्मानित।

लोकतन्त्र के चौथे स्तम्भ ''मीडिया' की निष्पक्ष, निर्भीक एवं लोकहित की खबरों से आज भी 'पत्रकारो' का सम्मान शिखर पर- श्री सुधीर गिरि, संस्थापक अध्यश वेंक्टेश्वरा समूह। बढ़ते आर्थिक/सामाजिक दबावों एवं टीआरपी की गलाकाट प्रतिस्पर्धा के बावजूद देश में आज भी हजारो ''मिशनरीज पत्रकारिता''' करने वाले ''सम्मानित मीडिया बन्धुओ'' की वजह से देश में अन्तिम पायदान पर खडे शोषित, वंचित आदमी की आवाज उठाने से न्याय की आस बंधी रहती है- डॉ0 राजीव त्यागी, प्रतिकुलाधिपति, श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय।

आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में ''हिन्दी पत्रकारिता दिवस'' पर साहित्यिक संस्था ''मधुरम'' के संयुक्त तत्वाँधान में ''भव्य काव्य संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से पधारे दो दर्जन से अधिक कवियो/कवियत्रियों, शायरो ने देश में लोकतन्त्र के चौथे स्तम्भ ''मीडिया'' के सम्मान में एक से बढ़कर एक रचनाऐ पेश करते हुए ''मीडिया'' को सरकार एवं आमजनमानस के बीच का ''सेतु'' करार दिया। इस अवसर पर संस्थान प्रबन्धन की ओर से देश के विभिन्न हिस्सो से पधारे कवियो एवं साहित्यकारों को शॉल, स्मृति चिन्ह, तुलसी माला, पटका एवं पगड़ी भेट कर सम्मानित किया गया।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर आयोजित ''काव्यसंगोष्ठी एवं सम्मान समारोह'' का शुभारम्भ संस्थापक अध्यश श्री सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, मधुरम की अध्यशा एवं महाकवियत्री डॉ0 मधु चतुर्वेदी, डॉ0 चेतन आनन्द, रेडियो आर जे डॉ0 नीरजा चतुर्वेदी, कुलपति प्रो0 कृष्णकान्त दवे आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो0 पीयूष पाण्डेय, डीन ऐकेडमिक डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 आर0एस0 शर्मा, डॉ0 सुमन कुमारी, डॉ0 स्नेहलता गोस्वामी, डॉ0 अंजलि भारद्वाज, डॉ0 योगेश्वर सिंह, डॉ0 अनिल जयसवाल, डॉ0 आशुतोष, डॉ0 एस0एन0 साहू, डॉ0 धीरज दुबे, डॉ0 ओमप्रकाश गोसाई, डॉ0 अश्विन कुमार सक्सेना, डॉ0 तेजपाल सिंह, डॉ0 राजवर्द्धन, डॉ0 ऐना ऐरिक ब्राउन, अरूण गोस्वामी, मारूफ चौधरी, मेरठ परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

गाजियाबाद से पधारे विख्यात शायर गोविन्द गुलशन ने कहा-

''यकीन कीजिए किस पर, यकीन मैं क्या है!
मुझे पता है मेरी, आस्तीन में क्या है!!''
प्रख्यात महा कवियत्री डॉ0 मधु चतुर्वेदी ने कहा-
''न दुनिया को जीत पाये जो, सिकन्दर हो नहीं सकता!
बिना अभ्यास के कोई धुरन्धर हो नहीं सकता!
जरा सी बाढ़ आते ही, लगे जो तोड़ने सीमा!
को कोई ताल है उथला, समन्दर हो नहीं सकता!!''
पढ़कर खूब वाहवाही लूटी।
हापुड़ से पधारे कवि डॉ0 अनिल बाजयेयी ने पढ़ा-

''सितारा एक टूटे तो, गगन खाली नहीं होता!
झड़े गर फूल कोई तो, चमन खाली नहीं होता!
हमारी माँ के दामन में है, लाखो लाल राणा से!
सपूतों से कभी मेरा, वतन खाली नहीं होता!!
सुनकर देशभक्ति की ज्वाला भर दी।
पिलखुवा से पधारे कवि डॉ0 सतीश वर्द्धन ने बेटियों को समर्पित रचना पढ़ी-
''लौंग, तुलसी जावित्री होती है बेटियां!
सीता और सावित्री होती है, बेटियां!
देवियों से बेटियों को कैसे कमतर आँक लूँ!
गंगा, गीता, गायत्री होती है बेटियां!!''
ओज के कवि डॉ0 चेतन आनन्द ने कहा कि-
''खामोश हम रहे तो, पहल कौन करेगा!
उजड़े चमन में फेरबदल कौन करेगा!
प्रश्नों के पक्ष में अगर चले गए जो हम,
उत्तर की समस्याओं को हल कौन करेगा!!''
दिल्ली से पधारे विख्यात आर0जे0,
मशहूर पत्रकार एवं कवियत्री डॉ0 नीरजा चतुर्वेदी ने पढ़ा कि-
''अपने ही साये में डर रहा हूँ मै!
ना चाहकर भी सबकुछ कर रहा हूँ मै!
ऐ जिन्दगी तूने ये कैसी शर्त लगा दी!
कि मौत किसी ओर की और मर रहा हूँ मै!!''
सुनाकर पत्रकारो की पीड़ा व्यक्त की।

बकायेदार चीनी मिलों के विरूद्ध गन्ना आयुक्त के तेवर सख्त

गन्ना मूल्य भुगतान में फिसड्डी 6 चीनी मिलों के खिलाफ वसूली

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। प्रदेश के आयुक्त, गन्ना एवं चीनी, प्रमोद कुमार उपाध्याय ने बताया कि प्रदेश के गन्ना किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान कराया जाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। गन्ना मूल्य भुगतान हेतु परिक्षेत्रीय एवं मुख्यालय स्तर से निरंतर अनुश्रवण किया जा रहा है तथा भुगतान में लापरवाही बरतने वाली चीनी मिलों के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही हेतु परिक्षेत्रीय एवं जिला गन्ना अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है।

उक्त के क्रम में गन्ना आयुक्त ने बताया कि गन्ना कृषकों के हितों के दृष्टिगत शीघ्र गन्ना मूल्य भुगतान कराये जाने के प्रायोजन से चीनी मिल बरखेड़ा-पीलीभीत, मकसूदापुर-शाहजहांपुर, बहेड़ी व नवाबगंज-बरेली, कुन्दुरखी-गोण्डा तथा मलकपुर-बागपत को गन्ना मूल्य भुगतान करने हेतु निरन्तर निर्देशित किया गया। इन चीनी मिलों को दिये गये निदेर्शों के क्रम में समय से गन्ना मूल्य भुगतान नहीं करने पर सख्त कार्यवाही करते हुए उक्त 06 चीनी मिलों के खिलाफ वसूली प्रमाण-पत्र जारी की गयी है।

उन्होंने बताया कि निर्गत वसूली प्रमाण पत्र के क्रम में सम्बंधित जिला प्रशासन भू-राजस्व के बकाया की तरह ही वसूली कर सकेगा, जिससे किसानों के गन्ना मूल्य का भुगतान कराने में मदद मिलेगी। साथ ही यह भी बताया कि अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान के लिए समय-समय पर की गयी समीक्षा बैठकों एवं नोटिसें निर्गत कर त्वरित गन्ना मूल्य भुगतान के लिए दिये गये निदेर्शों के आलोक में भुगतान प्रक्रिया में तेजी आयी है। पेराई सत्र 2024-25 में संचालित 122 चीनी मिलों में से 65 चीनी मिलों द्वारा शत-प्रतिशत गन्ना मूल्य भुगतान कर दिया गया है और 22 चीनी मिलों द्वारा 84 प्रतिशत से अधिक गन्ना मूल्य भुगतान प्रदेश के किसानों को कर दिया गया है।

गन्ना आयुक्त ने यह भी अवगत कराया कि गन्ना मूल्य भुगतान का दैनिक अनुश्रवण मुख्यालय स्तर पर नियमित किया जा रहा है। इसी क्रम में गन्ना मूल्य भुगतान में लापरवाही बरतने वाली चीनी मिलों के आगामी पेराई सत्र हेतु गन्ना क्षेत्रफल के पुर्ननिर्धारण पर भी विचार किया जा सकता है।

जेवर एयरपोर्ट हेतु अधिसूचित ग्रामों की भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन से प्रभावित कुटुंबों की सांख्यिकी गणना हेतु बैठक हुई संपन्न

सांख्यिकी गणना हेतु नामित किए गए नोडल अधिकारी प्रतिदिन किए गए कार्यों की करें समीक्षा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्ध नगर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जेवर के विस्तारीकरण हेतु अधिसूचित ग्रामों की भूमि अर्जुन पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 16 के अंतर्गत प्रभावित कुटुंबों की सांख्यिकी गणना कराने के उद्देश्य से जनगणना में लगाए गए अधिकारियों एवं कार्मिकों के साथ बैठक करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जेवर के विस्तारीकरण (स्टेज-2/फेस-2 व स्टेज-2/फेस-3) के लिए भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-11(1) के अंतर्गत 14 ग्रामों (ग्राम थोरा, नीमका, शाहजहांपुर, खव्जापुर, रामनेर, किशोरपुर, बनवारीबांस, पारोही, मुकीमपुर सिवारा, जेवर बांगर, साबोता, मुस्तफाबाद, अहमदपुर, चोरौली, दयानतपुर, बंकापुर व रोही) की 1857.7706 हेक्टेयर निजी भूमि के अर्जन की अधिसूचना जारी की जा चुकी है। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सांख्यिकी गणना में लगाए गए अधिकारी एवं कार्मिकों से कहा कि भूमि अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 16 के अंतर्गत पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन प्रशासक द्वारा एक सर्वेक्षण तथा प्रभावित कुटुंबों की जनगणना का कार्य आगामी 15 जून तक निर्धारित प्रारूप पर बड़ी संवेदनशीलता के साथ भावनात्मक रूप से पूरा किया जाना है। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी जनगणना के दौरान कोई भी कार्मिक ग्रामीणों का आतिथ्य स्वीकार न करें और उनके साथ मधुर व्यवहार रखते हुए जनगणना कार्य शासन की मंशा के अनुरूप पूरा किया जाए। यदि इस कार्य में उन्हें कोई भी परेशानी महसूस होती है तो इस संबंध में वह सक्षम स्तर पर अधिकारियों से वार्ता कर अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं।

जिलाधिकारी ने तहसीलदार जेवर एवं नायब तहसीलदार जेवर को निर्देशित करते हुए कहा कि संबंधित उपरोक्त टीमों से समन्वय स्थापित कर प्रतिदिन की गई प्रभावित कुटुंबों की सांख्यिकी गणना की रिपोर्ट/सूचना प्रत्येक दशा में प्राप्त कर प्रभावित कुटुंबों की सांख्यिकी गणना को निर्धारित प्रारूप पर लेखबद्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। डिप्टी कलेक्टर/उप जिलाधिकारी विवेक भदोरिया इस संपूर्ण कार्य के प्रभारी होंगे तथा साथ ही प्रभावित कुटुंबों की सांख्यिकी गणना का कार्य समय से पूर्ण हो और पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन की स्कीम का ड्राफ्ट निर्धारित समय अवधि तैयार करने का काम उनके द्वारा किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर जिलाधिकारी भू0आ0 बच्चू सिंह, उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, डिप्टी कलेक्टर विवेक भदोरिया, प्रभारी अधिकारी जेवर एयरपोर्ट दुर्गेश सिंह, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार जेवर तथा सांख्यिकी गणना में लगाए गए अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश में गन्ना उत्पादन में क्रांतिकारी वृद्धि हेतु पेड़ी प्रबंधन पर विशेष फोकसः आयुक्त

पेड़ी प्रबंधन पर क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम से गन्ना किसानों न केवल आत्मनिर्भर बनेगें बल्कि आधुनिक कृषि तकनीकों से सशक्त भी होगें: उप गन्ना आयुक्त मेरठ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। उत्तर प्रदेश के गन्ना एवं चीनी उद्योग में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी पहल की शुरूआत हुई है, जिसका उद्देश्य गन्ना उत्पादन को बढ़ाना, किसानों की आय में स्थायित्व लाना और प्रदेश के चीनी उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है।

प्रदेश के गन्ना एवं चीनी आयुक्त, श्री प्रमोद कुमार उपाध्याय के सशक्त नेतृत्व में, पेड़ी (रैटून) गन्ना प्रबंधन हेतु गन्ना किसानो को अनुभवी गन्ना किसानो के साथ संवाद स्थापित कराये जाने का यह एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम गन्ना खेती के क्षेत्र में कृषकों की दक्षता में सुधार करेगा।

गन्ना क्षेत्रफल का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा पेड़ी का होता है। पेड़ी फसल वह फसल होती है जो गन्ने की पौधा फसल की कटाई के बाद उसी जड़ से दोबारा उगती है। इसका सफल प्रबंधन न केवल बुवाई की लागत को कम करता है, बल्कि कम समय में फसल तैयार करने में भी मदद करता है। पेड़ी प्रबन्धन के अन्तर्गत स्टबल सेविंग, गैप फिलिंग, ट्रैश प्रबन्धन, पुरानी जड़ों को काटना, एन.पी.के एवं कीट नाशक दवाओं का छिडकाव तथा जल प्रबन्धन आदि सम्मलित है। यदि पेड़ी प्रबंधन सही ढंग से किया जाता है, तो इसकी उपज गुणवत्ता और मात्रा दोनों में वृद्धि होती है, इसलिए, पेड़ी प्रबंधन में किसानों की सक्रिय सहभागिता और जागरूकता आवश्यक है।

इस सम्बन्ध में जानकारी साझा करते हुए उप गन्ना आयुक्त मेरठ ने बताया कि, कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में पेड़ी प्रबंधन के उत्कृष्ट उदाहरण सामने आए। बिजनौर जिले की चांदपुर, धामपुर, स्योहारा, चांगीपुर, बरकातपुर चीनी मिलों के कार्यक्षेत्र तथा अमरोहा जिले की धनौरा चीनी मिल क्षेत्र के गन्ना कृषकों ने पेड़ी प्रबंधन में सराहनीय कार्य किया है। इन क्षेत्रों के किसानों ने उन्नत कृषि पद्धतियों, सही सिंचाई, कीट-रोग प्रबंधन और उचित पोषक तत्व प्रबंधन को अपनाकर पेड़ी फसल से भी बेहतर उपज प्राप्त की है। इनकी सफलता यह दशार्ती है कि सही मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता से पेड़ी फसल भी उतनी ही उत्पादक हो सकती है जितनी कि पौधा फसल।

उन्होने बताया कि प्रगतिशील गन्ना किसानों के अनुभव से प्रेरणा लेते हुए, अब इसे पूरे प्रदेश में लागू करने का एक व्यापक कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत, गन्ना आयुक्त द्वारा यह निर्देश निर्गत किये गये हैं कि सभी उप गन्ना आयुक्त अपने परिक्षेत्र की चीनी मिलों के साथ मिलकर गन्ना कृषकों के लिए एक्सपोजर विजिट (क्षेत्र भ्रमण) का आयोजन करें। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य किसानों को बिजनौर और अमरोहा जैसे कृषकों की तरह ही पेड़ी प्रबंधन की विधाएं अपनाकर उपज में वृद्धि करना है। मेरठ परिक्षेत्र की चीनी मिलों ने भी अपने कार्यक्षेत्र से गन्ना कृषकों का चयन एक्सपोजर विजिट हेतु किया है।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संपन्न कराने हेतु, प्रदेश के समस्त परिक्षेत्रीय उप गन्ना आयुक्तों एवं जिला गन्ना अधिकारियों को गन्ना किसानों को एक्सपोजर विजिट कराने हेतु निर्देश जारी किये गये है। साथ समन्वय अपर गन्ना आयुक्त (विकास), मुख्यालय स्तर पर किया जाएगा। गन्ना आयुक्त, श्री प्रमोद कुमार उपाध्याय की यह दूरदर्शी पहल उत्तर प्रदेश के गन्ना कृषि क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी। पेड़ी प्रबंधन पर विशेष ध्यान केंद्रित करके, विभाग न केवल गन्ने की पैदावार बढ़ाना चाहता है, बल्कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों से सशक्त करना भी चाहता है।

एक्पोजर विजिट पर जाने वाले गन्ना कृषकों की तालिका

क्र०स०	चीनी मिल का नाम	कृषकों की संख्या	क्षेत्र भ्रमण हेतु प्रस्तावित चीनी मिल क्षेत्र
1	दौराल	50	चीनी मिल क्षेत्र बरकातपुर
2	नंगलामल	50	चीनी मिल क्षेत्र चांगीपुर
3	सकौती	50	चीनी मिल क्षेत्र बरकातपुर
4	किनौनी	50	चीनी मिल क्षेत्र बरकातपुर
5	मेहिउद्दीनपुर	50	चीनी मिल क्षेत्र बरकातपुर
6	मवाना	50	चीनी मिल क्षेत्र चांगीपुर
7	बागपत	50	चीनी मिल क्षेत्र बरकातपुर
8	रमाला	50	चीनी मिल क्षेत्र चांगीपुर
9	मलकपुर	50	चीनी मिल क्षेत्र चांगीपुर
10	मोदीनगर	50	चीनी मिल क्षेत्र बरकातपुर
11	वेव मिल	60	चीनी मिल क्षेत्र धनौर
12	साबितगढ	55	चीनी मिल क्षेत्र धामपुर
13	अनामिका	60	चीनी मिल क्षेत्र धनौरा
14	अनूपशहर	50	चीनी मिल क्षेत्र धनौरा

आतंक पर पीएम मोदी का करारा हमला, दुश्मन कहीं भी हो 'हौंक' दिया जाएगा

कानपुर दौरे पर प्रधानमंत्री ने कनपुरिया अंदाज में दुश्मन देश को आतंकवाद पर दिया करारा जवाब

मोदी बोले

- कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान गिड़गिड़ाने वाला दुश्मन धोखे में ना रहे, ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ
- भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा, समय, तरीका और शर्तें हमारी सेनाएं तय करेंगी
- भारत अब एटम बम की गीदड़ भभकी से नहीं डरेगा और ना ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा

ब्रह्मोस मिसाइल का नया पता उत्तर प्रदेश है

पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत के स्वदेशी हथियारों और मेक इन इंडिया की ताकत भी देखी है। हमारे भारतीय हथियारों ने, ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई है। जहां टारगेट तय किया, वहां धमाके किए। यह ताकत हमें आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से मिली है। एक समय था जब भारत अपनी सैन्य जरूरतों के लिए, अपनी रक्षा के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था। हमने उन हालातों को बदलने की शुरूआत की। यह पूरे यूपी के लिए गर्व की बात है की डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता में वह बड़ी भूमिका निभा रहा है। जैसे कानपुर में पुरानी ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियां हैं, वैसी ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों को हमने बड़ी आधुनिक कंपनियों में बदल दिया है। आज यूपी में देश का बड़ा डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। इस कॉरिडोर का कानपुर नोड रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का बड़ा केंद्र है। एक समय यहां से पारंपरिक उद्योग पलायन कर रहे थे, वहां अब डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनियां आ रही हैं। यहां पास में ही अमेठी में एके 20 राइफल का निर्माण शुरू हो चुका है। ऑपरेशन सिंदूर में जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मनों को सोने नहीं दिया उस ब्रह्मोस मिसाइल का नया पता है उत्तर प्रदेश। भविष्य में कानपुर और यूपी, भारत को डिफेंस का नया एक्सपोर्टर बनाने में सबसे आगे रहेंगे। यहां नई फैक्ट्रियां लगेंगी, बड़े पैमाने पर निवेश आएगा। यहां के हजारों युवाओं को रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे।

शहर की गति ही शहर की प्रगति बनती है

आज केंद्र और प्रदेश की सरकार आधुनिक और विकसित यूपी के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं। इसी का परिणाम है जो इंफ्रास्ट्रक्चर, जो सुविधा, जो संसाधन, बड़ी-बड़ी मेट्रो सिटीज में होते हैं वह सब आप अपने कानपुर में भी देखने लगे हैं। कुछ साल पहले हमारी सरकार ने कानपुर को पहली मेट्रो की सौगात दी थी। आज कानपुर मेट्रो की ऑरेंज लाइन कानपुर सेंट्रल तक पहुंच गई है। पहले एलिवेटेड और अब अंडरग्राउंड, इस तरह का मेट्रो नेटवर्क कानपुर के महत्वपूर्ण इलाकों को जोड़ रहा है। कानपुर मेट्रो का यह विस्तार कोई साधारण प्रोजेक्ट नहीं है। कानपुर मेट्रो इस बात का सबूत है कि अगर सही इरादों, मजबूत इच्छा शक्ति और नेक नीयत वाली सरकार हो तो देश के विकास के लिए, प्रदेश के विकास के लिए कैसे ईमानदारी से प्रयास होते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज कानपुर और यूपी विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। मेट्रो सेवा से कानपुर के लोगों को कितना फायदा होने जा रहा है। कानपुर व्यापार का इतना बड़ा केंद्र है। मेट्रो के कारण आज हमारे व्यापारियों और ग्राहकों दोनों के लिए नवीन मार्केट और बड़ा चौराहा पहुंचना आसान हो गया है। कानपुर आने जाने वाले लोग, आईआईटी के स्टूडेंट्स, सामान्य मानवीय, इन सबके लिए सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंचने में कितना समय बचेगा। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि शहर की गति ही शहर की प्रगति बनती है।

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ

पीएम मोदी ने कहा कि कानपुर में विकास का यह कार्यक्रम 24 अप्रैल को होने वाला था, लेकिन पहलगाम हमले के कारण मुझे अपना कानपुर द्वारा रद करना पड़ा। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में हमारे कानपुर के बेटे शुभम द्विवेदी भी इस बर्बरता का शिकार हुए। उनके परिवार की पीड़ा, कष्ट और आक्रोश हम सब महसूस कर सकते हैं। हमारी बेटियों, बहनों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया ने देखा है। हमने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों को घर में घुसकर, सैकड़ो मील अंदर जाकर तबाह कर दिया। हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम किया कि पाकिस्तान सेना को गिड़गिड़ा कर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा। स्वतंत्रता संग्राम की धरती से सेना के शौर्य को बार-बार सैल्यूट करता हूं। मैं फिर कहना चाहता हूं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वह किसी धोखे में ना रहे, ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।

कानपुर और यूपी को नई ऊंचाई पर ले जाना सरकार की प्राथमिकता

पीएम मोदी ने कहा कि यूपी और कानपुर को नई ऊंचाई पर लेकर जाना डबल इंजन सरकार की पहली प्राथमिकता है। यह तभी होगा जब यहां पर उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, जब कानपुर का पुराना गौरव फिर से लौटेगा। पिछली सरकारों ने आधुनिक उद्योगों की जरूरतों को नजर अंदाज करके रखा था। कानपुर से उद्योगों का पलायन होता गया, परिवारवादी सरकारें आंख बंद करके बैठी रहीं। नतीजा, केवल कानपुर ही नहीं पूरा यूपी पीछे हो गया। राज्य की औद्योगिक प्रगति के लिए दो सबसे जरूरी शर्तें हैं, पहली ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और दूसरी इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी। आज यहां कई पावर प्लांट्स का लोकार्पण हुआ है जो यूपी की ऊर्जा जरूरत को पूरा करने के लिए बहुत बड़ा कदम है। इन पावर प्लांट्स के बाद यूपी में बिजली की उपलब्धता और बढ़ेगी। इससे यहां के उद्योगों को भी गति मिलेगी।

ऑपरेशन सिंदूर आत्मनिर्भर भारत की सफलता का उदाहरण: सीएम योगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश आगमन पर सीएम योगी ने उनकी जमकर सराहना की और बधाई दी। सीएम योगी ने भारतीय सेना के पराक्रम को सलाम करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत के शौर्य और पराक्रम के कारण आज पूरी दुनिया भारत के शक्ति और सामर्थ्य को एक उदाहरण के रूप में मान रही है। सीएम योगी ने कहा कि भारत की न्यू डिफेंस पॉलिसी के अंतर्गत दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट करके भारतीय सेना जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है, यह प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा 10 वर्ष पूर्व प्रारंभ किए गए मेड इन इंडिया की उस ताकत का भी एहसास दुनिया को करवाता है जो इस बार ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने देखा है। यह आत्मनिर्भर भारत की सफलता का भी एक बेहतरीन उदाहरण है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश को मिली 47,600 करोड़ की परियोजनाएं विकसित भारत की नींव है। सीएम योगी ने मां गंगा के पावन तट पर बसे औद्योगिक नगरी कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश की धरती पर यह प्रथम आगमन है। मैं प्रदेशवासियों की ओर से उनका हृदय से स्वागत करता हूं। यह धरती कभी औद्योगिक क्रांति की अग्रदूत रही है और आज विकास की नई गाथा लिखने जा रही है। सीएम योगी ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की सैन्य शक्ति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताते हुए कहा कि पहले सर्जिकल स्ट्राइक, फिर एयर स्ट्राइक और अब ऑपरेशन सिंदूर, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत अब जवाब देने में नहीं, जवाब देने की शैली भी तय करने में यकीन रखता है।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

कानपुर/लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कानपुर में हजारों करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए एक बार फिर आतंक और पाकिस्तान पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि भारत में आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में तीन सूत्र स्पष्ट रूप से तय कर दिए हैं। पहला, भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा। उसका समय, जवाब देने का तरीका और जवाब देने की शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी। दूसरा, भारत अब एटम बम की गीदड़ भभकी से नहीं डरेगा और ना ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। तीसरा, आतंक के आका और आतंक परस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा। पाकिस्तान का स्टेट और नॉन स्टेट एक्टर का खेल अब नहीं चलने वाला है। अगर मैं सीधे-सीधे कनपुरिया भाषा में कहूं तो दुश्मन कहीं भी हो, हौंक दिया जाएगा।

इस दौरान, पीएम मोदी ने बटन दबाकर 47,600 करोड़ रुपए की 15 विकास परियोजनाओं का उपहार दिया। पीएम ने चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन पर सजकर खड़ी मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रेन में वंचित वर्ग के बच्चों ने सफर तय किया। इस दौरान पीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक भी वितरण किया।

आज कानपुर की पहचान एक्सप्रेसवे के लिए हो रही है

पीएम मोदी बोले, आज हमारा यूपी आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के मामले में बहुत आगे निकल रहा है। जिस यूपी की पहचान टूटी फूटी सड़कों और गड्ढों से होती थी, वह अब एक्सप्रेसवे के नेटवर्क के लिए जाना जाता है। जिस यूपी में लोग शाम के समय बाहर जाने से बचते थे वहां अब हाईवे पर 24 घंटे लोग ट्रैवल करते हैं। यूपी कैसे बदला है यह कानपुर वालों से बेहतर भला कौन जानता है। कुछ ही दिनों में कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे बनकर तैयार हो जाएगा, जिससे लखनऊ का सफर सिर्फ 40 से 45 मिनट का होने वाला है। लखनऊ से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से सीधे कनेक्टिविटी भी मिलेगी। कानपुर लखनऊ एक्सप्रेसवे को गंगा एक्सप्रेसवे से भी जोड़ा जाएगा। इससे पूरब और पश्चिम दोनों तरफ जाने के लिए दूरी भी और समय भी बचेगा। कानपुर के लोगों को अब तक फरुर्खाबाद-अनवरगंज सेक्शन में सिंगल लाइन से दिक्कत होती रही है। एक-दो नहीं 18 रेलवे क्रॉसिंग से आपको संघर्ष करना पड़ता था। कभी यह फाटक बंद तो कभी वह फाटक बंद। आप लोग कब से परेशानी से मुक्ति की मांग कर रहे थे। अब यहां भी 1000 करोड रुपए खर्च करके एलिवेटेड रेल कॉरिडोर बनने जा रहा है। इससे यहां ट्रैफिक सुधरेगा, स्पीड बढ़ेगी और प्रदूषण भी कम होगा। सबसे बड़ी बात कानपुर के लोगों का समय बचेगा। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन को भी अपग्रेड करके विश्व स्तरीय लुक दिया जा रहा है। थोड़े ही समय में कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन भी एयरपोर्ट की तरह आधुनिक वर्ल्ड क्लास नजर आएगा। हमारी सरकार यूपी के 150 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित कर रही है।

यूपी को औद्योगिक संभावनाओं का राज्य बना रहे

पीएम मोदी ने कहा कि हम यूपी को औद्योगिक संभावनाओं का राज्य बना रहे हैं। इस साल के बजट में हमने मेक इन इंडिया के लिए मिशन मैन्युफैक्चरिंग की घोषणा की है। इसके तहत लोकल उद्योगों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। कानपुर जैसे शहरों को इसका बहुत बड़ा लाभ मिलेगा। कानपुर के औद्योगिक सामर्थ्य में सबसे बड़ा योगदान यहां की एमएसएमई का होता था। आज हम यहां लघु उद्योगों की अपेक्षाओं को पूरा करते हुए काम कर रहे हैं।

डिफेंस कॉरिडोर के लिए आगरा, अलीगढ़ से आगे ले जाने की तैयारी

दोनों नोड्स पर आंतरिक संरचनाओं के विकास के लिए 185.30 करोड़ रुपए खर्च करेगी योगी सरकार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

कॉरिडोर

- अलीगढ़ में 87.89 हेक्टेयर व आगरा में 123.13 हेक्टेयर क्षेत्र में सड़कें, कई खंडों की इमारतों समेत विभिन्न सुविधाओं का ईपीसी मोड पर होगा निर्माण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार देश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। न केवल उत्तर प्रदेश की छवि उद्यम प्रदेश की बन रही है बल्कि मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने और देश की रक्षा जरूरतों को पूरा करने में भी उत्तर प्रदेश अग्रणी भूमिका निभाते हुए ग्रोथ इंजन के तौर पर उभरा है। उत्तर प्रदेश में डिफेंस कॉरीडोर परियोजना (यूपीडीआईसी) के अंतर्गत भी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग फ्रेमवर्क को स्थापित करने का कार्य जारी है। इसी कड़ी में यूपीडीआईसी के आगरा व अलीगढ़ नोड में आंतरिक संरचनाओं के विकास की प्रक्रिया को धरातल पर उतारने का कार्य जारी है। सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने खाका तैयार किया है। यूपीडा द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार, आगरा में 120.98 करोड़ की लागत से 123.13 हेक्टेयर तथा अलीगढ़ में फेज-2 के तहत 87.89 हेक्टेयर में 64.31 करोड़ रुपए खर्च कर आंतरिक संरचना का निर्माण व विकास किया जाएगा। इस प्रकार, दोनों नोड्स में कुल मिलाकर 12 महीने में 211.02 हेक्टेयर क्षेत्र में लगभग 185.30 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण व विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा। यूपीडा द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार, आगरा व अलीगढ़ में होने वाले आंतरिक संरचनाओं से जुड़े निर्माण व विकास कार्यों को ईपीसी मोड पर पूरा किया जाएगा। प्रक्रिया के अंतर्गत आगरा में बड़े स्तर पर कार्य तो प्रस्तावित हैं ही, साथ ही अलीगढ़ में फेज-2 के कार्यों की भी शुरूआत होगी।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) डबल इंजन की सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। यह कॉरिडोर छह प्रमुख नोड्स-लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट में फैला हुआ है, जिन्हें उत्कृष्ट परिवहन नेटवर्क से जोड़ा गया है। हाल ही में, लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई का उद्घाटन हुआ है, जो 300 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित की गई है। इसके अलावा, अलीगढ़ नोड में भी हजारों करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आकर्षित किए हैं, जिसमें ड्रोन और एडवांस्ड वारफेयर सिस्टम के निर्माण की परियोजनाएं शामिल हैं। यूपीडा द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार आगरा में तथा अलीगढ़ में फेज-2 के तहत होने वाले कार्यों में आंतरिक सड़कों, कई खंड की इमारतों समेत विभिन्न सुविधाओं का निर्माण व विकास होगा।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के जरिए 'लैब टू लैंड' नारे को साकार करने में नजीर बनाएगी योगी सरकार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। केंद्र सरकार द्वारा शुरू विकसित कृषि संकल्प अभियान के जरिए ₹लैब टू लैंड₹ नारे को साकार करने में योगी सरकार नजीर बनाएगी। 29 मई से 12 जून तक चलने वाले इस देश व्यापी के तहत केंद्र सरकार ने 1.5 करोड़ किसानों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अभियान के दौरान 50 लाख किसानों को जोड़ने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। यह केंद्र के लक्ष्य का एक तिहाई है। इस काम में लगने वाले कृषि विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों खास कर प्रसार काम में लगे कर्मचारियों के हौसलाअफजाई के लिए 28 मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद लखनऊ स्थित लोकभवन के सभागार में इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि खेतीबाड़ी और इससे जुड़े सेक्टर्स की तरक्की की एक बुनियादी शर्त है। संबंधित सेक्टर्स के शीर्ष संस्थाओं में होने वाले शोध कार्य यथा शीघ्र किसानों तक पहुंचे। इसी बाबत कई वर्षों पूर्व 'लैब टू लैंड' का नारा दिया गया था। इसमें खेती बाड़ी से जुड़े एक्सटेंशन कर्मियों की महत्त्व पूर्ण भूमिका होती है। किसानों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध योगी सरकार एक्सटेंशन कार्यक्रमों के विस्तार के जरिए इस नारे का साकार करती रही है। किसान कल्याण केंद्र, रबी और खरीफ के सीजन में न्याय पंचायत स्तर पर द मिलियन फार्मर्स स्कूल के तहत आयोजित किसान पाठशालाएं, प्रदेश से लेकर मंडल और जिला स्तर पर आयोजित कृषि उत्पादक गोष्ठियां इसका प्रमाण हैं। हर जिले और फसल विशेष के लिए बने खास सेंटर ऑफ एक्सीलेंस लगातार इस नारे को अमली जामा पहना रहे हैं। इस पूरे कार्यक्रम को गति देने में सर्वाधिक अहम भूमिका हर जिले में बने कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके)की होती है। यही वजह है कि योगी सरकार ने आते ही यह लक्ष्य रखा कि हर जिले में एक और जरूरत के अनुसार बड़े जिलों में दो कृषि विज्ञान केंद्र होने चाहिए।

शहरों में श्रमिकों के लिए योगी सरकार शुरू करेगी सुविधा केंद्र और श्रमिक सराय

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में योगी योगी सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में राज्य सरकार डॉ. भीमराव अंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र और विश्वकर्मा श्रमिक सराय योजना जैसी अभिनव योजनाओं के माध्यम से न सिर्फ श्रमिकों की दैनिक समस्याओं को हल करने जा रही है, बल्कि उन्हें गरिमा और सुविधा के साथ जीने का अवसर भी प्रदान कर रही है। योगी सरकार ने तय किया है कि प्रथम चरण में राज्य के 17 नगर निगम क्षेत्रों और नोएडा व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों को श्रमिकों के लिए एक वन-स्टॉप समाधान केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां उन्हें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पंजीकरण सुविधा, सरकारी योजनाओं की जानकारी, और आवश्यक सेवाएं मिलेंगी। बीते दिनों श्रम विभाग ने सीएम योगी के समक्ष इन योजनाओं का विस्तृत खाका पेश किया। इन केंद्रों के माध्यम से योगी सरकार का लक्ष्य है कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को योजनाओं से जोड़ने में तेजी लाई जाए, ताकि कोई भी श्रमिक सरकारी लाभों से वंचित न रहे। प्रदेश में प्रवासी निर्माण श्रमिकों की संख्या बड़ी है जो काम की तलाश में एक शहर से दूसरे शहर जाते रहते हैं। इनकी रातें अक्सर फुटपाथ या असुरक्षित स्थानों पर गुजरती हैं। ऐसे में योगी सरकार की विश्वकर्मा श्रमिक सराय योजना प्रवासी श्रमिकों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल के रूप में राहत लेकर आ रही है। इन सरायों में स्वच्छ शौचालय, स्नानागृह, क्लॉक रूम और अस्थायी आवास की सुविधा होगी, जिससे श्रमिक न केवल सुरक्षित रह सकेंगे बल्कि अगली सुबह नए काम की तलाश में बेहतर ढंग से निकल सकेंगे।

उत्तर प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक सौगात, बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा प्रदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानपुर से उत्तर प्रदेश को दिया 44,000 करोड़ से अधिक की तापीय परियोजनाओं का उपहार

ऊर्जा वृद्धि

- योगी सरकार की दूरदृष्टि और पीएम मोदी के नेतृत्व में यूपी बना ऊर्जा क्षेत्र का अगुवा, परियोजनाओं से प्रदेश में 24.89% उत्पादन क्षमता की होगी वृद्धि

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

योगी सरकार की ऊर्जा क्षेत्र में उपलब्धियां

- 1 करोड़ 78 लाख से अधिक विद्युत संयोजन निर्गत
- 1,21,324 मजरों का विद्युतीकरण
- 13 बड़े तापीय बिजली घरों पर काम शुरू (18,040 मेगावाट क्षमता)
- 9,000 मेगावाट के संयंत्र पहले ही चालू
- ऊर्जा उत्पादन में अभूतपूर्व विस्तार
- जवाहरपुर तापीय परियोजना (2X660 मेगावाट) – 14,628 करोड़
- घाटमपुर तापीय विद्युत परियोजना (1X660 मेगावाट) – 9,300 करोड़+
- पनकी तापीय विस्तार परियोजना (1X660 मेगावाट) – 8,300 करोड़+
- ओबरा-सी तापीय परियोजना (2X660 मेगावाट) – 6,502 करोड़
- खुर्जा तापीय परियोजना (2X660 मेगावाट) – 5,544 करोड़

मेट्रो के विस्तार से प्रमुख स्थलों से होगा व्यापारिक और परिवहन गतिविधियों का जुड़ाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कानपुरवासियों को मेट्रो परियोजना के विस्तार का बड़ा तोहफा दिया। 2,100 करोड़ से अधिक की लागत वाली यह परियोजना अब मोतीझील से कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन तक के 7 किलोमीटर लंबे नए कॉरिडोर को जोड़ेगी। इस मेट्रो विस्तार से नगर के प्रमुख बाजारों, कार्यालयों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में आवागमन सुगम हो जाएगा। इस नए सेक्शन में कुल 5 भूमिग मेट्रो स्टेशन शामिल होंगे जिनमें चुन्नीगंज, नवीन मार्केट, बड़ा चौराहा, नयागंज और कानपुर सेंट्रल हैं। यह रूट शहर के दिल से जुड़ते हुए व्यापारिक और परिवहन गतिविधियों के प्रमुख केंद्रों को जोड़ेगा। इनमें लाल इमली, जेड स्क्वायर मॉल, ग्रीनपार्क स्टेडियम, परेड मैदान, बुक मार्केट और सोमदत्त प्लाजा जैसे महत्वपूर्ण स्थान सीधे मेट्रो से जुड़ जाएंगे। मेट्रो के विस्तार से हजारों यात्रियों को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी और उनकी यात्रा अधिक आरामदायक, सुरक्षित और समयबचाऊ होगी। इसके साथ ही, मेट्रो संचालन से निजी वाहनों पर निर्भरता घटेगी, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और वायु प्रदूषण नियंत्रित होगा। मेट्रो की तेज और नियमित सेवा से लोग कम समय में अधिक दूरी तय कर सकेंगे, जिससे ईंधन और खर्च में उल्लेखनीय बचत होगी। परियोजना से शहर की यातायात व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और कानपुर को एक स्मार्ट शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह अहम भूमिका निभाएगी।

कानपुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में शुक्रवार को एक नया इतिहास रचा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानपुर में प्रदेश को 44,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली तापीय विद्युत परियोजनाओं की सौगात दी। इन परियोजनाओं से प्रदेश में न सिर्फ 24.89% उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि इससे औद्योगिक, कृषि और सामाजिक विकास को नई ऊर्जा मिलेगी। इन परियोजनाओं से प्रदेश की उत्पादन क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी, जो प्रदेश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में अहम योगदान देगा। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश अब ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक राज्य के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की सौगात और योगी सरकार की सतत ऊर्जा नीति ने प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर किया है। आने वाले वर्षों में यह ऊर्जा विस्तार हर घर में रोशनी, हर खेत में बिजली और हर युवा को अवसर देने का आधार बनेगा। इन तापीय परियोजनाओं के शुभारंभ से प्रदेश को बड़े लाभ होंगे। सबसे महत्वपूर्ण लाभ बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को लेकर होगा। 2017 तक उत्तर प्रदेश की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 15,916 मेगावाट थी। योगी सरकार ने इसे बढ़ाकर 24,868 मेगावॉट तक पहुंचा दिया है और इस वर्ष के अंत तक यह क्षमता 27,184 मेगावॉट हो जाएगी। सभी नई परियोजनाओं में सुपरक्रिटिकल तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे कम कोयले में ज्यादा बिजली बनती है। इससे कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है और पर्यावरण संरक्षण को बल मिला है।

राजस्व में होगी उल्लेखनीय वृद्धि

इन परियोजनाओं से प्रदेश के राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। नई परियोजनाओं से उत्पादित बिजली का 75.11% हिस्सा उत्तर प्रदेश में और 24.89% असम को भेजा जाएगा।

सेहत/स्वास्थ्य

मॉर्निंग वॉक पर जाने के दौरान न करें ऐसी गलतियां, वरना बीमार पड़ सकते हैं आप

बहुत सारे लोग मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं। लेकिन मॉर्निंग वॉक का सही तरीका भी जानना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि गलत तरीके से सैर करना आपको बीमार कर सकता है। इसलिए मॉर्निंग वॉक के दौरान आपको इन गलतियों से बचना चाहिए।

अनन्या मिश्रा

बहुत सारे लोग मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं। लेकिन मॉर्निंग वॉक का सही तरीका भी जानना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि गलत तरीके से सैर करना आपको बीमार कर सकता है। मॉर्निंग वॉक सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इससे आपके शरीर को लाभ मिलता है और मांसपेशिया मजबूत होती हैं। साथ ही इससे हड्डियां स्वस्थ रहती है, वेट कंट्रोल में रहता है और दिल स्वस्थ रहता है। लेकिन अगर आप सही तरीके से वॉक नहीं करते हैं, तो यह फायदा की जगह आपको नुकसान पहुंचा सकता है।

कुछ लोग मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले नींद पूरी नहीं करते हैं। जिसके कारण बाद में उनको थकान और चिड़चिड़ापन महसूस होता है। साथ ही शरीर को मॉर्निंग वॉक का पूरा फायदा भी नहीं मिल पाता है। इसलिए सही से सुबह की सैर करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सुबह की सैर पर जाने से पहले क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

न खाएं हैवी खाना

मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले हैवी भोजन करना सेहत के लिए हानिकारक होता है। इससे आपको पाचन संबंधी समस्या हो सकती है। सुबह के दौरान हल्का और पोषणयुक्त भोजन करना चाहिए। आप सुबह दलिया, फल, दही और सेवइयां आदि खा सकते हैं। इससे आपके शरीर को एनर्जी मिलती है और आप सैर के लिए तैयार होते हैं।

पानी जरूर पिएं

सुबह की सैर पर निकलने से पहले थोड़ा सा पानी पीना चाहिए। वॉक के दौरान शरीर में उचित हाइड्रेशन बनाए रखने के लिए पानी पीना चाहिए। सुबह पानी पीने से शरीर की एनर्जी बढ़ती है और आप ज्यादा सक्रिय रहते हैं। इसलिए सैर पर जाने से पहले पानी पीना जरूरी होता है।

सही शूज का चयन

मॉर्निंग वॉक के लिए सही और आरामदायक फुटवियर का चयन बहुत जरूरी है। आपके शूज पैरों के लिए फिट होने चाहिए। सैर के लिए अच्छी ग्रिप वाले शूज चुनना चाहिए। जिससे कि आप फिसलने से बचें। इसके अलावा शूज का सही साइज का होना जरूरी है। जिससे कि आपके पैरों को किसी तरह की दिक्कत न हो।

वार्मअप है जरूरी

बता दें कि सुबह की सैर शुरू करने से पहले वार्मअप करना जरूरी होता है। इससे आपके शरीर की गर्मी बढ़ती है और मांसपेशियां वॉक के लिए तैयार होती हैं। सुबह मॉर्निंग वॉक से पहले 5-10 मिनट वार्मअप करना चाहिए। वार्मअप आपके शरीर को तैयार करने के साथ ही चोट की आशंका को कम करता है। सैर से पहले वॉर्मअप करना सुरक्षित और स्वस्थ सैर के लिए जरूरी माना जाता है।

तेज गति से न करें शुरूआत

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक मॉर्निंग वॉक का एक तरीका होता है, जिस पर अधिकतर लोग ध्यान नहीं देते हैं। सुबह वॉक पर जाने से पहले थोड़ा पानी पीना चाहिए। फिर कुछ हल्का-फुल्का नाश्ता जैसे- केला, शकरकंद या ओट्स का सेवन करें। पैरों के मुताबिक शूज का चयन करें, जिससे कि वॉक के दौरान दिक्कत न हो। साथ ही शुरूआत में तेज चलने से बचना चाहिए और दूसरों को देखकर मॉर्निंग वॉक नहीं करनी चाहिए।

घरेलू नुस्खे

डैंड्रफ से हो गए हैं परेशान तो अपनाएं ये नुस्खा, हेल्दी और शाइनी होंगे बाल

अनन्या मिश्रा

बालों में डैंड्रफ की समस्या होना वैसे तो आम बात है। लेकिन सर्दियों में यह समस्या अधिक बढ़ जाती है। हालांकि इससे निपटने के लिए लोग कई तरीके भी अपनाते हैं। लेकिन फायदा नहीं मिलता है। ऐसे में अगर आप भी डैंड्रफ की समस्या से परेशान हैं, तो हम आपको एक घरेलू नुस्खा बताने जा रहे हैं। इस उपाय को अपनाने से न सिर्फ बाल खूबसूरत दिखेंगे बल्कि डैंड्रफ की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। बता दें कि कई बार मौसम की मार या गलत हेयर प्रोडक्ट के इस्तेमाल से भी डैंड्रफ की समस्या होने लगती है। ऐसे में यदि इसका समय पर इलाज न किया जाए, तो स्कैल्प में एलर्जी हो जाती है और बाल झड़ने लगते हैं। ऐसे में आप यह नुस्खा अपना कर अपने बालों की केयर कर सकते हैं।

सर्दियों में होता है डैंड्रफ

हर बदलता मौसम अपने साथ ढेरों खुशियों के साथ अलावा तमाम परेशानियां भी लेकर आता है। सर्दियों में अक्सर हम सभी गर्म पानी से नहाते हैं तो यह हमारी त्वचा के साथ स्कैल्प से ऑयल खत्म करता है। इसकी वजह से स्कैल्प ड्राई होना शुरू हो जाती है। ड्राई स्कैल्प पपड़ी का रूप लेकर जलन पैदा करता है और कई बार बाल झड़ना शुरू होता है। यह बालों की खूबसूरती को कम करने लगता है।

कौन सी चीजें जिम्मेदार

ड्राई या ऑयली स्कैल्प ही नहीं बल्कि मलेसेजिया और सेबोरहाइक जैसे फंगल इंफेक्शन के कारण भी डैंड्रफ होता है। कई बार ऐसा हार्मोनल परिवर्तन की वजह से भी ऐसा होता है। वहीं हेल्दी डाइट आयरन ,फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट्स की कमी के कारण भी बाल कमजोर होने लगते हैं और स्कैल्प पर पपड़ी जमनी शुरू हो जाएगी। ऐसे में कुछ नेचुरल उपाय अपनाकर आसानी से डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा पा सकती हैं।

कपूर से बनाएं हेयर ऑयल

हेयर ऑयल को बनाने के लिए 2-3 भीमसेनी कपूर को अच्छे से क्रश करें। बाउल में डालकर इसमें नींबू का रस मिक्स करें। फिर एक कप के करीब गरम नारियल तेल में इसे मिक्स कर लें। अब इसको सप्ताह में तीन दिन बालों में अप्लाई करें और किसी माइल्ड शैंपू से बालों को धो डालें। इससे आपको काफी आराम मिलेगा।

दूर होगा डैंड्रफ

भीमसेनी कपूर में एंटीफंगल प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं, जो फंगस की ग्रोथ को रोकने में सहायक होती है। साथ ही इसमें कूलिंग प्रॉपर्टीज स्कैल्प को ठंडक पहुंचाती है और जलन को कम करता है।

इसको बालों में अप्लाई करने से यह हेयर फोलिकल्स को खोलता है और बालों की ग्रोथ में सहायक होता है। नींबू के रस में एसिडिक प्रॉपर्टीज की वजह से स्कैल्प के पीएच लेवल को बैलेंस रखकर फंगस की ग्रोथ को रोकता है।

बालों में डैंड्रफ की समस्या होना वैसे तो आम बात है। लेकिन सर्दियों में यह समस्या अधिक बढ़ जाती है। अगर आप भी डैंड्रफ की समस्या से परेशान हैं, तो हम आपको एक घरेलू नुस्खा बताने जा रहे हैं।

पर्यटन

बनारस से एकदम नजदीक हैं ये हिल स्टेशन, गर्मियों की छुट्टियों में बनाएं फैमिली ट्रिप का प्लान

गर्मियों की छुट्टियां बच्चों की पड़ चुकी है। ऐसे में बच्चों नें माता-पिता को परेशान कर रहे हैं कि समर वैकेशन में कहीं घूमने चलें। अगर आप भी कहीं फैमिली के साथ घूमने की सोच रहे हैं तो यहआर्टिकल सिर्फ आपके लिए है। हम आपको बताएंगे बनारस से एकदम नजदीक हिल स्टेशन के बारे में, जहां आप फैमिली के साथ जा सकते हैं।

दिव्यांशी भदौरिया

बच्चों की गर्मियों की छुट्टी शुरू हो चुकी है। ऐसे में गर्मी का कहर भी जारी है, ताबड़तोड़ गर्मी पड़ रही है। अगर आप भी गर्मी से बचना चाहते हैं तो इन हिल स्टेशन पर जरुर जाएं। वाराणसी के आसपास घूमने के लिए कोई ठंडी जगह देख रहे हैं , तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आइए जानते हैं इन प्लेसेस या हिल स्टेशनों के बारे में जिन्हें आप वाराणसी उत्तर प्रदेश के आसपास देख सकते हैं।

मसूरी

यह हिल स्टेशन पहाड़ों की रानी के नाम से प्रसिद्ध है। मसूरी समुद्र तल से लगभग 6561 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। मसूरी यात्रा के दौरान आप अपने परिवार के साथ शिवालिक पर्वतमाला और दून घाटी के रहस्यमय दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। इस हिल स्टेशन पर आपको आरामदायक कैफे, बेहतरीन होटल, चर्च और बाजारों का चहल-पहल देख सकते हैं।

नैनीताल

कुमाऊं क्षेत्र में एक हिमालयी रिसॉर्ट शहर, नैनीताल, नैनी झील के आसपास स्थित है। यह हिल स्टेशन वाराणसी के सबसे नजदीकी हिल स्टेशनों में से एक है। यहां पर आप नैना देवी के दर्शन भी कर सकते हैं। वहीं, आप यहां नैनी झील में बोटिंग का मजा ले सकते हैं। यहां पर कई सुंदर नजारे का मजा ले सकते हैं।

मुक्तेश्वर

उत्तर प्रदेश के सबसे नजदीक हिल स्टेशनों में से एक है मुक्तेश्वर। मुक्तेश्वर समुद्र तल से 7,122 फीट की ऊंचाई पर स्थित एक आकर्षक गांव है। नैनीताल से लगभग 50 किमी दूर है मुक्तेश्वर। यहां पर लोकप्रिय मुक्तेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है।

अल्मोड़ा

अल्मोड़ा पुराने ओक और पाइंस ट्री से घिरा हुआ है। अल्मोड़ा में पुराने मंदिरों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और हिमालय के मनोरम दृश्यों पर गर्व करता है। यहां पर चौक बाजार, कारखाना बाजार और सबसे फेमस , 200 साल पुराना लाल बाजार काफी प्रसिद्ध है।

कौसानी

बनारस के नजदीक सबसे मशूहर हिल स्टेशन की तलाश कर रहे हैं, तो आप कौसानी जा सकते हैं। यहां शहर के जीवन की हलचल से दूर एक बेहतरीन प्लेस है। कौसानी आपको त्रिशुल, पंचचूली और नंदा देवी जैसी हिमालय की चोटियों के रहस्यमयी दृश्यों का मजे लें सकते हैं।

लैंसडाउन

लैंसडाउन उत्तराखंड का एक ऐसा हिल स्टेशन है जो आत्मा को सुकून देने वाला है। यहां पर नीले देवदार के पेड़ों, गहरे ओक के जंगलों और शक्तिशाली पहाड़ों के आसपास का आनंद लेता है।

रानी खेत

हिमालय की लहरदाप पहाड़ियों और शानदार सदाबहार सुंदर दृश्य आपके मन को लुभा देगी। यह सेब के बागों से घिरा और अपनी मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता को समेटे हुए, यह घास का मैदान अपने शांत वातावरण और नंदा देवी चोटी के मनोरंजक दृश्यों के लिए जाना जाता है।

ब्यूटी / फैशन

सिर्फ 60 सेकेंड रुल से करें त्वचा की देखभाल

गर्मियों में त्वचा की देखभाल करना बेहद जरुरी है। आप गर्मी में स्किन केयर के लिए 60 सेकेंड रुल फॉलो करना चाहिए, इससे काफी निखार आता है।

दिव्यांशी भदौरिया

समर सीजन में स्किन की देखभाल करना बहुत जरुरी है। प्रदूषण, लू और गर्म हवाएं के कारण, त्वचा का सीधा संपर्क हमारी स्किन से होता है। ऐसे में स्किन की केयर करना जरुरी है। जब स्किन की देखभाल करने के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि चेहरे की क्लीनिंग और प्रॉपर तरीके से मॉइस्चराइजिंग करना। क्या आप जानते हैं कि इस सीजन में स्किन के लिए सिर्फ इतना करना काफी नहीं है? अपनी स्किन केयर करने के लिए आप 60 सेकेंड्स रुल अपना सकते हैं।

क्या है 60 सेकेंड रुल

60 सेकेंड रुल फेस क्लीनिंग करने का एक तरीका है। जब हम अपना फेस धोते हैं, तो चेहरे पर फेस वॉश अप्लाई और 15 से 20 सेकेंड के लिए हल्के हाथों से चेहरे को रब करके। इसके बाद साफ पानी से चेहरा वॉश कर लेते हैं। लेकिन आपको चेहरे का 60 सेकेंड तक फेस वॉश करना चाहिए। इससे फेस पर चिपकी गंदगी निकल जाती है और चेहरा अच्छी तरह से क्लिंज हो जाता है। 60 सेकेंड रुल फॉलो करने के फायदे-

चेहरे का निखार बढ़ता है

अगर आप भी नियमित रुप से 60 सेकेंड रुल फॉलो करते हैं, तो इससे स्किन की डीप क्लीनिंग होती है। वहीं चेहरे पर चमक आती है।

कील-मुंहासे दूर होते हैं

कई बार चेहरे पर चिपकी धूल की वजह से कील-मुंहासों की समस्या हो जाती है। अगर आप नियमित रुप से 60 सेकेंड रुल अप्लाई करती हैं, तो इससे चेहरे के दाग-धब्बे दूर हो जाते हैं। वहीं पिंपल की समस्या नहीं होगी।

ब्लड सकुर्लेशन बढ़ता है

60 सेकेंड रुल को फॉलो करते समय चेहरे को सर्कुलर मोशन में रब किया जाता है। इससे चेहरे की मसाज होती है, जिससे ब्लड सकुर्लेशन में सुधार होता है।

जब ब्लड सकुर्लेशन बढ़ता है, तो इससे स्किन का ग्लो बढ़ता है। याद रखें कि यह तरीका सिर्फ ऑयली स्किन वालों के लिए। अगर किसी की स्किन बहुत सेंसिटिव है या स्किन से जुड़ी कोई परेशानी होती है, तो इस रुल को फॉलो न करें।

रानी अहिल्याबाई होल्कर के जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान के अंतर्गत भोजपुर ब्लॉक में हुआ सम्मेलन का आयोजन

अहिल्याबाई होल्कर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है: विधायक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर । शहीद भगत सिंह ब्लॉक सभागार में जिलाध्यक्ष चैनपाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक डॉ मंजू शिवाच, मुख्य वक्ता वरिष्ठ भाजपा नेत्री डॉ अनिला सिंह आर्य एवं ब्लॉक प्रमुख भोजपुर सुचेता सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ मंजू श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है उनके कार्य आज भी शान समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण के आदर्श उदाहरण है हमें उनके सिद्धांतों पर चलकर जन सेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत मजबूत करना चाहिए। ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह ने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महिलाओं का प्रेरणास्त्रोत बताया। सम्मेलन में जिला उपाध्यक्ष एवं जिला अभियान संयोजक अमित चौधरी, मंडल अध्यक्ष भोजपुर दीपक गुर्जर, जितेंद्र चितौड़ा, सुधीर पगड़ी , सीकरी महामाया मंडल के मंडल अध्यक्ष रोहित तोमर, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष आरती मिश्रा, संजय भदोला सत्येंद्र तोमर, पार्टी के समस्त जनप्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी , प्रदेश एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी ,(वर्तमान एवं पूर्व), सभी मोर्चा जिलाध्यक्ष समस्त टीम, सभी मंडल अध्यक्ष समस्त टीम, सभी मोर्चा मंडल अध्यक्ष समस्त टीम एवं अभियान में लगे सभी कार्यकर्ता, महिला प्रधान, महिला बीडीसी प्रबुद्ध महिला, महिला समाजसेविका , एएनएम/आंगनवाड़ी, आशायें, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं मौजूद रहीं।

श्री गुरु अर्जनदेव जी के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर एक छबील का आयोजन

- छबील का शुभारंभ राष्ट्रीय लोक दल के जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी ने किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। पंजाबी मंच, मोदीनगर की ओर से श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर एक छबील का आयोजन तेजेंद्र सिंह गांधी तथा कालू खुराना की दुकान के सामने किया गया जिसका कि उद्घाटन रामपाल चौधरी जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय लोक दल ने फीता काटकर किया। पंजाबी मंच के सभी सदस्यों द्वारा जिलाध्यक्ष का भव्य स्वागत किया गया।

उनके द्वारा राहगीरों को जल सेवा भी प्रदान की गई। आयोजन में मुख्य रूप से पंजाबी मंच के अध्यक्ष राजकुमार खुराना, सचिव सुनील चावला, राजीव खुराना, सलाहकार डॉ जी एस सचदेवा, कोषाध्यक्ष छबील चावला, गुरबीर गांधी,कालू खुराना, पवन कुमार, संजीव अरोड़ा बंटी, राजेश अरोड़ा, संजीव चौधरी, अमित टंडन, अनिल अरोड़ा, जेपी भूटानी,योगेश मल्होत्रा उर्फ गुल्ला भाई, ईविंदर गांधी, राजेंद्र सिद्धवानी, लाडा हरीश खुल्लर ,चरणजीत सिंह,विनय ढींगरा, अनुराग सैनी, मनमोहन पसरिचा, जितेंद्र मल्होत्रा,सन्नी भूटानी,राधे सिधवानी एवं सोनू शर्मा पहल से उपस्थित थे।

छाया स्कूल के दिव्यांशु ने नेशनल यूथ गेम्स में रजत पदक जीत कर बढ़ाया मोदीनगर का गौरव

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर । गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल के 12वीं कक्षा के छात्र दिव्यांशु ने नेशनल यूथ गेम्स जो दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में आयोजित किए गए थे वहां एथलेटिक्स की गोला फेक स्पर्धा में जानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर छाया स्कूल के साथ मोदीनगर व उत्तर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

उनकी उपलब्धि पर विद्यालय प्रांगण में उनका जोरदार स्वागत किया गया स्कूल के प्रधानाचार्य डॉक्टर अरुण त्यागी ने बताया की शिक्षा के क्षेत्र में जहां 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में गरिमा छाबड़ा ने शहर टॉप किया और गाजियाबाद जिले के शीर्ष पांच में अपना नाम दर्ज कराया तो अनविषा ने केबीसी जूनियर की विजेता बनने का गौरव हासिल किया खेलों में भी छाया स्कूल के बच्चे राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं बैडमिंटन में हिमांशु मित्तल एथलेटिक्स भाला फेंक में दीपांशु शर्मा स्केटिंग में अचीव डिस्कस थ्रो में अनंत दर्शन और अब गोला फेक स्पर्धा में दिव्यांशु ने छाया स्कूल का ही नहीं पूरे शहर का नाम रोशन किया है। और भविष्य में ये बच्चे एशियाई खेलों व ओलंपिक खेलों में भी अपनी-अपनी स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे डॉ अरुण त्यागी ने बताया की दिव्यांशु के पिता प्रदीप कुमार भी पावरलिफ्टिंग के राष्ट्रीय खिलाड़ी व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी हैं इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

आईएएस बनी अरण्या केमी का ग्राम सौन्दा में हुआ सम्मान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डा आंबेडकर शिक्षा प्रचार एवं प्रसार संस्थान मोदीनगर के तत्वावधान में ग्राम सोंदा के डा आंबेडकर बाल विद्यालय एवं जूनियर हाई स्कूल के प्रांगण में हाल ही में आई ए एस बनी ग्राम सौंदा की लड़की कु अरण्या कैमी का भव्य स्वागत और सम्मान किया गया।कार्यक्रम डा आंबेडकर प्रतिभा सम्मान समारोह के नाम से किया गया।

कार्यक्रम ।का संचालन कवि डा रामगोपाल भारतीय तथा देश राज भारती ने संयुक्त रूप से किया ।अध्यक्षता गिन्नी देवी महिला महा विद्यालय मोदीनगर की पूर्व प्राचार्य डा रीता बख्शी ने की।संयोजन संस्था अध्यक्ष देशराज भारती का रहा।मंच पर मुख्य वक्ता के रूप में मेरठ के साहित्यकार डा किरण सिंह,कवि चंद्र शेखर मयूर ,कवि सुल्तान सिंह सुल्तान ,खंड शिक्षा अधिकारी। जमुना प्रसाद, कु अरण्या कैमी,उसके पिता आई एफएस चर्चिल कुमार और माता प्रो कमलेश भी उपस्थित थीं। सर्वप्रथम संस्था महासचिव ओमप्रकाश ने सभी का स्वागत किया। मेरठ से पधारे कवियों चंद्र शेखर मयूर और सुल्तान सिंह सुल्तान की रचनाओं पर श्रोताओं ने खूब तालियां बजाई ।कवि देव राज मुरादनगर और श्री ईश्वर दयाल त्यागी ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत की ।क्षेत्र के उभरती गायिका कु जेन्या विश्वकर्मा ने कई गीत सुनकर भाव विभोर कर दिया ।उनके गीत ए मेरे वतन पर लोग भावुक हो उठे। डा किरण सिंह ने डा आंबेडकर के अनेक संस्मरण सुनाए और बच्चों को सफल होने के कई उपयोगी मंत्र दिए ।उन्होंने जोशीली कविताओं से श्रोताओं में जोश भर दिया। सभा को डा रीता बख्शी ,प्रो देवेंद्र त्यागी आदि ने भी संबोधित किया। कु अरण्या को संस्था द्वारा शाल,सम्मान पत्र तथा बुद्ध वचनों की पुस्तक भेंट कर उनका सम्मान किया गया ।इसके बाद अरण्या ने अपने विचारों में सिविल सेवाओं की तैयारी कर रहे बच्चों को सफलता के टिप्स दिए ।उन्होंने इसका श्रेय डा आंबेडकर के सिद्धांतों,माता पिता तथा गुरु जनों को दिया। चर्चिल कुमार और कमलेश देवी ने भी अपने विचार रखे। आसपास से बड़ी संख्या में आए लोगों ने अरण्या को शाल मालाएं और उपहार भेंट कर अपना आशीर्वाद दिया ।इस अवसर पर इंटर मीडिएट में कालेज टॉप करने वाली छात्रा कु छवि प्रजापति तथा हाई स्कूल में टॉप करने वाले छात्र प्रियांशु प्रजापति तथा इस साल जीएसटी में टेस्ट अस्टेंड बनी विपासना गौतम को भी संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शांति प्रकाश, सीताराम मुकेश कुमार, धर्मवीर सिंह, धर्मप्रकाश, गिरवर,राम भरोसे लाल मौर्य,श्री महकार , देव कुमार गौतम,श्री प्रेम चंद,विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पवित्रा आदि का विशेष योगदान रहा ।अंत में राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अधिवक्ता अरूण राघव को मिला अन्तरराष्ट्रीय पहचान का गौरव

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर । नगर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता अरूण कुमार राघव को अन्तरराष्ट्रीय स्तर की ख्याति प्राप्त संस्था इंटरनेशनल कौंसिल ऑफ जुरिस्टस (लंदन) द्वारा विशिस्ट सदस्य के रूप मे वर्ष 2025 से 2030 तक के लिए औपचारिक रूप से नामित किया गया है।

यह सम्मान विधिक क्षेत्र मे उनके दीर्घकालिक योगदान, समाजसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्वता और न्यायिक दृष्टिकोण मे उनकी गहन समझ को ध्यान मे रखते हुए प्रदान किया गया है। इस महत्वपूर्ण पदनाम की घोषणा संस्था के तथा आल इंडिया बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ0 आदिश सी0 अग्रवाला और संस्था के निदेशक सारा जे0 मार्चिंगटन द्वारा संयुक्त रूप से की गयी। इंटरनेशनल कौंसिल ऑफ जुरिस्टस (लंदन) एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की विधिक संस्था है, जो दुनियाभर के न्यायविदो, विधिक विशेषज्ञो एवं न्यायाधीशो को एक मंच पर लाकर वैश्विक कानून व्यवस्था मे सहयोग को बढावा देती है। सर्वविदित है कि मोदीनगर निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता अरूण राघव लंबे समय से जनहित और सामाजिक न्याय से जुडे कई मुकद्दमो मे सक्रिय रूप से भूमिका निभाते आ रहे है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी यह नियुक्ति मोदीनगर के लिए गर्व का विषय है। उनकी इस उपलब्धि पर स्थानीय जनप्रतिनिधियो, अधिवक्ताओ, शिक्षाविदो और समाजसेवियो ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी है।

कवि राम कुमार गुप्ता 'सौमित्र' के निधन पर साहित्य मंच के कवियों ने किया शोक व्यक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। मोदीनगर के जन-जन प्रेमी, व्यापारी, अनेक संस्थाओं के सदस्य एवं रामचरित मानस के परम अनुरागी व मानस की सरस चौपाइयों के प्रस्तोता,साथ ही अखिल भारतीय साहित्य मंच मोदीनगर के कवि एवं मंचों के संचालक कवि राम कुमार गुप्ता 'सौमित्र' के निधन पर अखिल भारतीय साहित्य मंच के सभी कवियों ने सौमित्र जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए, परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना की,तथा दिवंगत आत्मा को प्रभु अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें, एवं परिवार को इसे असहनीय वेदना को सहने की अपार शक्ति व ऊर्जा प्रदान करें। सौमित्र जी के निवास पर पधारे कवियों ने परिवार के साथ बैठकर सांत्वना प्रकट की एवं परिवार को धीरज बंधाया। संस्था अध्यक्ष कवि ब्रजकण,संरक्षक डॉ श्रद्धानंद शर्मा, उपाध्यक्षा श्रीमती पुष्पा शर्मा, मंत्री रविकुमार शर्मा, अमित अरोड़ा, श्री राम सेवक शर्मा रासेशबसंत शर्मा, रूप चंद शर्मा, कपिल वैरागी, देवी शरण पश्यक, बलवीर सिंह खिचड़ी, जलज शर्मा कवि जगबीर शर्मा आदि कवि उपस्थित रहे।

भाजपा ने त्रिशताबदी समारोह मे 26 महिलाओं को किया सम्मानित

अहिल्या बाई होल्कर ने 12 ज्योतिलिंगों का जीवनोद्धार व कई मंदिरों को कराया था निर्माण: अजीत पाल त्यागी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर । नगर क्षेत्र के विकास खंड कार्यालय परिसर स्थित अटल सभागार में शुक्रवार को रानी अहिल्या बाई होल्कर की त्रिशताबदी समारोह का आयोजन किया गया।

इस मौके पर उत्कृष्ठ कार्य करने वाली 26 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर विधायक अजीतपाल त्यागी ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर के कदमों पर चलकर ही महिलाओं को सशक्तिकरण ,स्वालम्बी बनाया जा सकता है। केन्द्र व प्रदेश सरकार ने महिलाओं के लिए 25 योजना चला रखी है। उन्होंने कहा कि रानी अहिल्या बाई होल्कर ने तीन सौ वर्ष पूर्व सनातन धर्म की रक्षा करते हुए 12 ज्योतिलिंगों का जीवनोद्धार कराया व कई मंदिरों को निर्माण कराया था। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री रुचि गर्ग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल से से ही ग्राम पंचायत स्तर पर ही उनका जन्मदिवस मनाया जा रहा है। इस मौके पर 26 महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। ब्लॉक प्रमुख राजीव त्यागी ने सभी का स्वागत किया।